卐 श्री सदगुरू देवाय नमः 卐 卐 ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवह्नि जनकात्मजायाः। आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्।
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम्। वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये।

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

# उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 24 ♦अंक 117 ♦पृष्ठ 8 ♦रूद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦शनिवार ♦3 फरवरी 2024 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com | 9897427585 | UTTARANCHAL DARPAN | www.uttaranchaldarpan.in

GAGNEJA PROPERTIES
CONTACT FOR SALE, PURCHASE RENT & LEASE
✔ Shops ✔ Houses
✔ Industrial Property
✔ Commercial Property
✔ Agriculture Land
REAL ESTATE WITHOUT THE HASSLE
MO.-8630672525,8279444462
ADD- SRA F69, Shop No.4, Adarsh Colony, Rudrapur

## आडवाणी को मिलेगा 'भारत रत्न'

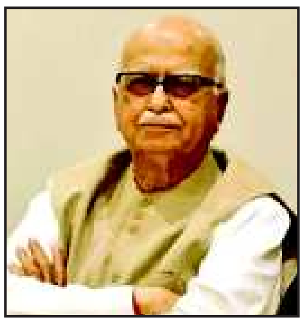

नई दिल्ली(उद संवाददाता)। केंद्र की मोदी सरकार ने बड़ा ऐलान किया है। सरकार ने भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न देने की घोषणा की है। इस बात की जानकारी खुद पीएम मोदी ने दी है। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी घोषणा की। प्रधानमंत्री ने पोस्ट में कहा कि भारत के विकास में उनका योगदान स्मरणीय है। उनका जीवन जमीनी स्तर पर काम करने से शुरू होकर देश के उप-प्रधानमंत्री के तौर पर काम करते हुए चला। पीएम मोदी ने कहा मैं यह साझा कर के काफी खुश हूं कि लालकृष्ण आडवाणी जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। मैंने उनसे बात की और उन्हें इस सम्मान को दिए जाने पर बधाई दी। वह हमारे समय के सबसे बड़े और सम्मानित जननेता रहे हैं। भारत के विकास में उनका योगदान स्मरणीय है। उनका जीवन जमीनी स्तर पर काम करने से शुरू होकर देश के उप-प्रधानमंत्री के तौर पर काम करते हुए चला। उन्होंने गृह मंत्री और सूचना-प्रसारण मंत्री के तौर पर काम करते हुए भी खुद को दूसरों से अलग किया। उनके संसदीय हस्तक्षेप हमेशा अनुकरणीय रहे हैं और समृद्ध अंतर्दृष्टि से भरे रहे हैं। बता दें आडवाणी 2002 से 2004 के बीच अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में भारत के सातवें उप प्रधानमंत्री का पद संभाल चुके हैं। इससे पहले वह 1998 से 2004 के बीच भाजपा के नेतृत्व वाले नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) में गृहमंत्री रह चुके हैं। वह उन लोगों में शामिल हैं जिन्होंने भारतीय जनता पार्टी की नींव रखी थी। 10वीं और 14वीं लोकसभा के दौरान उन्होंने विपक्ष के नेता की भूमिका बखूबी निभाई है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जरिए अपने राजनीतिक करियर (शेष पृष्ठ सात पर)

## महिला जज ने फांसी लगाकर दी जान

### सरकारी आवास पर पंखे से लटका मिला शव

बदायूं(उद ब्यूरो)। सरकारी आवास में महिला जज का शव फंदे से लटका मिला है। पुलिस ने आत्महत्या की बात कही है। महिला जज ज्योत्सना राय के आत्महत्या

की जानकारी की खबर से पुलिस-प्रशासन में हड़कंप मच गया। मौके पर डीएम-एसएसपी समेत तमाम अधिकारी पहुंच गए। शहर कोतवाली क्षेत्र में स्थित जजी कालोनी में रहने वाली सिविल जज जूनियर डिवीजन ज्योत्सना राय का शव उनके आवास के एक कमरे में फंदे पर लटका मिला। सुबह समय पर कार्यालय न पहुंचने पर उनकी कोर्ट के कर्मचारियों ने कॉल की तो कॉल रिसीव नहीं हुई। इस पर कर्मचारी आवास पर पहुंचे तो काफी आवाज और खटखटाने पर दरवाजा नहीं खुला। इसके बाद करीब साढ़े दस बजे सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस दरवाजा तोड़कर अंदर गई तो कमरे में पंखे से शव लटक रहा था। पास में ही मोबाइल पड़ा था और दूसरे कमरे का सामान भी बिखरा हुआ था। कोतवाली इंस्पेक्टर विजेंद्र सिंह ने सूचना एसएसपी आलोक प्रियदर्शी (शेष पृष्ठ सात पर)

## जमीन बेचने के नाम पर 35 लाख की धोखाधड़ी

काशीपुर(उद संवाददाता)। कूट रचित दस्तावेजों के सहारे जमीन के सौदे के नाम पर 35 लाख रूपयों के धोखाधड़ी किए जाने का एक हैरतअंगेज मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने इस मामले में कोर्ट के निर्देश पर दो लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी। घटना के बारे में न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर विश्वनाथ पुरम मानपुर रोड काशीपुर निवासी मनवर सिंह भंडारी पुत्र पदम सिंह ने बताया कि वर्ष 2016 में उसकी मुलाकात प्रतापपुर काशीपुर निवासी राजेश पुत्र हरशरण से हुई। उसने बताया कि उसकी लगभग ढाई एकड़ भूमि ग्राम गढ़ीनेगी में है जिसे वह बेचना चाहता है। इस षड्यंत्र में राजपुरम कॉलोनी निवासी करन सिंह नेगी पुत्र नरेंद्र सिंह नेगी भी शामिल है। शिकायतकर्ता ने कोर्ट को बताया कि दोनों पर भरोसा करके उसने यह सौदा 88 लाख रूपयों में तय कर लिया। 35 लाख रुपए देने के बाद पता चला कि यह भूमि राजेश के नाम नहीं किसी और के नाम है। धोखाधड़ी का पता चलने पर जब शिकायतकर्ता ने उपरोक्त दोनों से रकम वापसी की बात की तो उन्होंने कानूनी (शेष पृष्ठ सात पर)

## हाईवे पर युवक की हत्या से सनसनी

रूद्रपुर/गदरपुर (उद संवाददाता)। गदरपुर के पास हाईवे पर एक युवक का

शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेजा। मृतक के शरीर के पर चोटों के निशान होने से आशंका व्यक्त की जा रही है कि अज्ञात लोगों ने उसकी हत्या कर उसका शव यहां फेंक दिया। मामले की जानकारी मिलने पर परिजन भी मौके पर आ पहुंचे और उनमें कोहराम मच गया। मृतक समारोहों में डीजे का काम करता था।जानकारी के मुताबिक रूद्रपुर काशीपुर हाईवे पर मकरंदपुर गांव के पास सुबह राह चलते लोगों ने सड़क किनारे खून से सने एक युवक का शव पड़ा देखा। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। एसआई पूरन सिंह तोमर और जीडी भट्ट द्वारा मौके पर पहुंचकर लोगों से मामले की जानकारी ली और शव को कब्जे में लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भेजा। मृतक के सिर पर चोट के निशान है। परिजनों ने बताया कि 19 वर्षीय जसपाल सिंह उर्फ विशाल सिंह पुत्र वचन सिंह निवासी ग्राम कौशलपुर गदरपुर ग्राम लंगड़ा भोज से क्षेत्र में डीजे संचालित करने का कार्य करता था। सूत्रों के अनुसार ग्राम बेरिया शिवपुरी में एक समारोह में डीजे (शेष पृष्ठ सात पर)

## डीएम ने निर्माणाधीन वेंडिंग जोन का किया निरीक्षण

### आवश्यक सुविधाओं के साथ कार्य शीघ्र पूरा करने के दिए निर्देश

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। जिलाधिकारी उदयराज सिंह द्वारा आज नगर निगम के समक्ष सिंचाई तथा विद्युत विभाग के मध्य स्थित नगर निगम की भूमि पर नाले के दोनों ओर बनाये जा रहे वेंडिंग जोन का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्य का जायजा लिया और निगम तथा कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वार नगर आगमन के दौरान अतिक्रमण हटाने के दौरान हटाये गये व्यापारियों को प्राथमिकता से बसाये जाने के निर्देश दिये गये थे। इसी के तहत यहां लघु व्यापारियों को विस्थापित किया जायेगा। उन्होंने वेंडिंग जोन के मानचित्र का अवलोकन भी किया। जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि समस्त कार्य गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूरे किये जायें ताकि नगर के उजाड़े गये लघु व्यापारियों को व्यवस्थित किया जा सके। उन्होंने कहा कि यहां कारोबार शुरू करने वाले व्यापारियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसका भी प्राथमिकता से ध्यान रखा जाये। उन्होंने बताया कि यहां हमेशा सफाई व्यवस्था बनी रहे इसके लिए विशेष निर्देश दिये गये हैं। नगर आयुक्त नरेश चन्द्र दुर्गापाल ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि निर्माणाधीन वेंडिंग जोन में मध्य में 30 फुटकीसड़क रहेगी। जिसके दोनों ओर 10-10 फुट की 8 फुट चौड़ी दुकानों का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने बताया (शेष पृष्ठ सात पर)

## उजाड़े गये व्यापारियों का शिष्ट मण्डल डीएम से मिला

रूद्रपुर। जिलाधिकारी द्वारा वेंडिंग जो का निरीक्षण करने के दौरान रोडवेज के सामने से उजाड़े गये व्यापारियों का एक शिष्टमंडल उनसे मिला। व्यापारियों ने डीएम से आग्रह किया कि निर्माणाधीन वेडिंग जोन में उन्हें भी दुकानें आवंटित

की जायें। उजाड़े जाने के बाद से उनके समक्ष रोजगार की कई परेशानियां आ रही हैं उन्हे लगातार समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अभी तक उन्हें दुकान के लिए स्थान चिन्हित करने का ही भरोसा दिया गया है। जिस पर जिला अधिकारी ने कहा कि उजाड़े गये सभी व्यापारियों को बसाना (शेष पृष्ठ सात पर)

## पति जेल में, सास ने विवाहिता को नवजात बेटी सहित घर से निकाला

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। विवाहिता के नशेड़ी पति के चोरी के आरोप में जेल जाने के बाद उसकी दहेज लोभी सास ने उसे मारपीट कर मासूम नवजात बेटी संग घर से निकाल दिया। पीड़िता ने न्याय की गुहार लगाई है। उसका कहना है कि उसका विवाह 11 दिसंबर 2022 को हुआ था तथा विवाह के कुछ दिनों बाद ही उसे पता चला कि उसका पति नशेड़ी, चोर किस्म का व्यक्ति है। तरह-तरह के नशा करता है तथा चोरी आदि का कार्य भी करता है। जब पति व सास से इस सम्बन्ध में बात की तो उन्होंने उसके साथ मार-पीट कर धमकी दी। पति आये दिन तरह-तरह के नशा कर उसके साथ मार-पीट करने लगा। पीड़िता का आरोप है कि उसका पति व सास मायके से 50 हजार रूपये लाने को कहने लगे और उसके मार-पीट कर प्रताड़ित करने लगे। इसी बीच वह गर्भवती हो गयी। सरकारी अस्पताल में उसने एक पुत्री को 12 दिसंबर 2023 को जन्म दिया।उसका पति चोरी (शेष पृष्ठ सात पर)

## कार्यकाल बढ़ाने के लिए पंचायत प्रतिनिधियों ने किया प्रदर्शन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। पंचायतों का कार्यकाल बढ़ाने एवं 'एक राज्य - एक चुनाव' के फार्मूले को उत्तराखंड में लागू करते हुए त्रिस्तरीय पंचायतों के चुनाव 13 जनपदों में एक साथ कराए जाने की मांग को लेकर उत्तरखण्ड त्रिस्तरीय पंचायत संगठन के बैनरतले पंचायत प्रतिनिधियों ने शनिवार को कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया और जिला प्रशासन के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि वर्ष 2019 में त्रिस्तरीय पंचायतें चुनी गई थी। पंचायत के गठन होने के बाद 2 वर्ष तक कोविड-19 का प्रकोप रहा। इस कारण दो वर्ष तक पंचायतों की सामान्य बैठक में भी नहीं हो पाई। त्रिस्तरीय पंचायतों ने कोविड-19 प्रकोप से अपने-अपने गांव को बचाने के लिए अनुकरणीय भूमिका निभाई। इन पंचायतों का मुख्य कार्य दो वर्ष तक ठप रहा। पंचायत एक्ट के अनुसार अगर पंचायतों की बैठक नहीं हुई तो उस कालखंड को पंचायतों के कुल कार्यकाल से नहीं जोड़कर देखा जा सकता है। उत्तराखंड के 12 जनपदों के त्रिस्तरीय पंचायतों का दो वर्ष कार्यकाल बढ़ाया जाना एक्ट के अनुरुप है। इस कार्यकाल के बढ़ने से भविष्य में हरिद्वार के चुनाव भी शेष उत्तराखंड के साथ किए जाने की संभावना भी प्रबल हो जाएगी। राज्य के सभी 13 जिली के पंचायतों का चुनाव एक साथ कराए (शेष पृष्ठ सात पर)

# यूसीसी का मसौदा तैयार: सबको मिलेगा एक समान अधिकार

## नया इतिहास रचेगी धामी सरकार: यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने वाला देश का पहला राज्य बनेगा उत्तराखंड

देहरादून(उद ब्यूरो)। देवभूमि उत्तराखंड में पहली बार समान नागरिक संहिता लागू होने से दशकों से चली आ रहीं कुरीतियां और कुप्रथाएं खत्म होंगी। सभी को एक समान अधिकार मिल सकेगा। बेटा-बेटी और स्त्री-पुरुष के बीच का भेदभाव खत्म होगा। यह कहना है कि समान नागरिक संहिता की कानूनी जंग लड़ने वाले अधिवक्ता अश्वनी उपाध्याय का। सीएम आवास में यूसीसी की विशेषज्ञ समिति की ड्राफ्ट रिपोर्ट सौंपने के दौरान उपाध्याय ने मीडिया से समान नागरिक संहिता की विशेषताओं और उनके संभावित प्रावधानों को साझा किया है। समिति ने यूसीसी का ड्राफ्ट सौंप दिया है। सरकार ड्राफ्ट का परीक्षण करेगी। उत्तराखंड में यह ऐतिहासिक काम होगा। यह देश के लिए नजीर बनेगा। संविधान निर्माता यही चाहते थे।भारतीय संस्कृति महिला-पुरुष के भेदभाव का विरोध करती है। दुर्भाग्यवश भारत में आज भी बहुत सारी कुरीतियां जारी हैं। कुछ कुप्रथाओं के खिलाफ कानून बनें, लेकिन अब भी समाज कई ऐसी कुरीतियां विद्यमान हैं, जिन्हें खत्म करने की जरूरत है। उत्तराखंड की धामी सरकार ने यूसीसी के लिए 2022 में विशेषज्ञ कमेटी का गठन किया। जिसने डेढ़ साल में यूसीसी का ड्राफ्ट तैयार किया। अब विधानसभा का विशेष सत्र पांच फरवरी से शुरू होने जा रहा है, जिसमें पास होने के बाद यूसीसी लागू करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य बन जाएगा। 1962 में जनसंघ ने हिंदू मैरिज एक्ट और हिंदू उत्तराधिकार विधेयक वापस लेने की बात कही। इसके बाद जनसंघ ने 1967 के उत्तराधिकार और गोद लेने के लिए एक समान कानून की वकालत की। 1971 में भी वादा दोहराया। हालांकि 1977 और 1980 में इस मुद्दे पर कोई बात नहीं हुई। 1980 में भाजपा का गठन हुआ। भाजपा के पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी बने। पार्टी ने 1984 में पहली बार चुनाव लड़ा, जिसमें केवल दो सीटें मिली।1989 में 9वां

लोकसभा चुनाव हुआ, जिसमें भाजपा ने राम मंदिर, यूनिफॉर्म सिविल कोड को अपने चुनावी घोषणा-पत्र में शामिल किया। पार्टी की सीटों की संख्या बढ़कर 85 पहुंची।1991 में देश में 10वां मध्यावधि चुनाव हुआ। इस बार भाजपा को और लाभ हुआ। उसकी सीटों की संख्या बढ़कर 100 के पार हो गई। इन लोकसभा चुनावों में भाजपा ने यूनिफॉर्म सिविल कोड, राम मंदिर, धारा 370 के मुद्दों को जमकर उठाया। ये सभी मुद्दे बीजेपी के चुनावी घोषणापत्र में शामिल थे, मगर संख्या बल के कारण ये पूरे नहीं हो पाए थे।इसके बाद 1996 में भाजपा ने 13 दिन के लिए सरकार बनाई। 1998 में पार्टी ने 13 महीने सरकार चलाई। 1999 में बीजेपी ने अपने सहयोगियों के साथ बहुमत से सरकार बनाई। तब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री बने।वर्ष 2014 में पहली बार भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता पर काबिज हुई और केंद्र में मोदी सरकार आई। मोदी सरकार ने पूरे जोर-शोर से अपने चुनावी वादों पर काम करना शुरू किया। अब केंद्र की सरकार समान नागरिक संहिता को लागू करने की दिशा में काम कर रही है। इसी कड़ी में यूसीसी को लागू कर उत्तराखंड, देश का पहला राज्य बनने की ओर अग्रसर है। उत्तराखंड में 2022 में भाजपा ने यूसीसी के मुद्दे को सर्वोपरि रखते हुए वादा किया था कि सरकार बनते ही इस पर काम किया जाएगा।

## यूसीसी ड्राफ्ट में विवाह, तलाक और पति पत्नी के लिए किए हैं कई बड़े प्रावधान!

देहरादून(उद संवाददाता)। उत्तराखंड में जल्द ही समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू होने जा रहा है। शुक्रवार को विशेषज्ञ समिति की अध्यक्ष जस्टिस (सेनि) रंजना प्रकाश देसाई और उनकी टीम ने ड्राफ्ट रिपोर्ट सीएम पुष्कर सिंह धामी को सौंप दी है। अब कल कैबिनेट बैठक में यूसीसी ड्राफ्ट रिपोर्ट को मंजूरी मिल सकती है। जिसके बाद इसे छह फरवरी को विधानसभा में पेश किया जाएगा। यूसीसी ड्राफ्ट में कई बड़े प्रावधान किए हैं। ड्राफ्ट के संभावित प्रावधानों के अनुसार प्रदेश में अब लड़कियों की विवाह की आयु बढ़ाई जाएगी, जिससे वे विवाह से पहले ग्रेजुएट हो सकें। विवाह का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होगा। बगैर रजिस्ट्रेशन किसी भी सरकारी सुविधा का लाभ नहीं मिलेगा। ग्राम स्तर पर भी शादी के रजिस्ट्रेशन की सुविधा होगी। पति-पत्नी दोनोंको तलाक के समान आधार उपलब्ध होंगे। तलाक का जो ग्राउंड पति के लिए लागू होगा, वही पत्नी के लिए भी लागू होगा। फिलहाल पर्सनल लॉ के तहत पति और पत्नी के पास तलाक के अलग-अलग ग्राउंड हैं। पॉलीगैमी या बहुविवाह पर रोक लगेगी। उत्तराधिकार में लड़कियोंको लड़कों के बराबर का हिस्सा मिलेगा। अभी तक पर्सनल लॉ के मुताबिक लड़के का शेयर लड़की से अधिक है। नौकरीशुदा बेटे की मृत्यु पर पत्नी को मिलने वाले मुआवजे में वृद्ध माता-पिता के भरण पोषण की भी जिम्मेदारी होगी। अगर पत्नी पुर्नविवाह करती है तो पति की मौत पर मिलने वाले कंपेंशेसन में माता-पिता का भी हिस्सा होगा। मेंटेनेंस: अगर पत्नी की मृत्यु हो जाती है और उसके माता पिता का कोई सहारा न हो, तो उनके भरण पोषण का दायित्व पति पर होगा। एडॉप्शन: सभी को मिलेगा गोद लेने का अधिकार। मुस्लिम महिलाओं को भी मिलेगा गोद लेने का अधिकार, गोद लेने की प्रक्रिया आसान की जाएगी। हलाला और इद्दत पर रोक होगी। लिव इन रिलेशनशिप का डिक्लेरेशन आवश्यक होगा। ये एक सेल्फ डिक्लेरेशन की तरह होगा जिसका एक वैधानिक फॉर्मैट लग सकती है।गार्जियनशिप- बच्चे के अनाथ होने की स्थिति में गार्जियनशिप की प्रक्रिया को आसान किया जाएगा। पति-पत्नी के झगड़े की स्थिति में बच्चों की कस्टडी उनके ग्रैंड पैरेंट्स को दी जा सकती है। जनसंख्या नियंत्रण को अभी सम्मिलित नहीं किया गया है।

## आ गया यूसीसी..ड्राफ्ट मिलते ही होने लगी धामी की वाहवाही

देहरादून। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता का ड्राफ्ट मिलते ही सोशल मीडिया में भी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की मुहिम को वाहवाही मिलने लगी है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने यूसीसी को लेकर एक हिंदी गीत 'आ गया है सूसीसी' का भी विमोचन किया।इस गीत को भूपेंद्र भसेड़ा ने लिखा है और स्वर राकेश भट्ट ने दिया है। दिनभर नामी शख्सियत से लेकर सोशल मीडिया यूजरों ने भी यूसीसी के ड्राफ्ट तैयार करने को लेकर सीएम धामी के फैसले की जमकर तारीफ की जा रही है। शुक्रवार को जैसे ही यूसीसी की कमेटी ने ड्राफ्ट मुख्यमंत्री को सौंपा तो सोशल मीडिया में हैशटैग यूसीसी इन उत्तराखंड तेजी से ट्रेंड हो गया। देखते ही देखते ड्राफ्ट के समर्थन में देशभर से सोशल मीडिया इंफ्यूलेंसर से लेकर बड़ी शख्सियत, विचारक एवं टिप्पणीकार आगे आ गए। सोशल मीडिया में ट्वीट, पोस्ट, शेयरिंग, ग्रफिक्स, वीडियो के साथ यूसीसी पर धामी सरकार के इस फैसले पर मुख्यमंत्री धामी के मुरीद दिखे और बेबाकी से लिखते गए कि समान नागरिक संहिता कानून समय की जरूरत है। खासकर यूसीसी के समर्थन में सबसे ज्यादा लोग सोशल मीडिया एक्स (पूर्व में ट्वीटर) पर ट्रेंड करते नजर आए। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने फेसबुक पोस्ट साझा करते हुए लिखा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत, श्रेष्ठ भारत विजन को देवभूमि से धामी सरकार सच में बदल रही है। सीएम पुष्कर सिंह धामी के इस ऐतिहासिक निर्णय की बधाई देते हुए लिखा है सभी नागरिकों को समान अधिकार प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। जल्द ही यूसीसी को कानून बनाकर उत्तराखंड में लागू भी कर दिया जाएगा।

## मुख्यमंत्री ने कहा: विशेषज्ञ समिति ने विभिन्न वर्गों के सुझावों से तैयार किया गया है समान नागरिक संहिता कानून का ड्राफ्ट

### उत्तराखण्ड में 43 जनसंवाद कार्यक्रम में लगभग 10 हजार लोगों से संवाद एवं प्राप्त 2 लाख 33 हजार सुझावों का अध्ययन करने हेतु समिति की 72 बैठकें हुई

देहरादून(उद संवाददाता)। उत्तराखण्ड में समान नागरिक संहिता के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश श्रीमती रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में बनी समिति ने शुक्रवार को मुख्य सेवक सदन में ड्राफ्ट मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी को सौंप दिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून मे आयोजित सम्मेलन में प्रेस से वार्ता के दौरान यूसीसी कानून के सबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि समिति ने विभिन्न वर्गों के सुझावों के बाद यह ड्राफ्ट तैयार किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता से किए गये वादे के अनुरूप सरकार गठन के तुरंत बाद हुई पहली कैबिनेट की बैठक में ही समान नागरिक संहिता बनाने के लिए एक विशेषज्ञ समिति के गठन का निर्णय लिया था।उन्होंने कहा कि 27 मई 2022 को पांच सदस्यीय समिति गठित की गई। यूसीसी के लिए गठित समिति में पूर्व न्यायाधीश डॉ रंजना प्रकाश, सिक्किम हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश श्री प्रमोद कोहली , उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्य सचिव श्री शत्रुघन सिंह, दून विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल एवं समाजसेवी श्री मनु गौड़ को शामिल किया गया था। मुख्यमंत्री ने बताया कि समिति ने दो उप समितियों का गठन भी किया। जिसमें से एक उपसमिति ने संहिता का प्रारूप तैयार किया एवं दूसरी उपसमिति ने प्रदेश के निवासियों से सुझाव आमंत्रित कर संवाद स्थापित किया। समिति द्वारा देश के प्रथम गांव माणा से जनसंवाद कार्यक्रम की शुरूआत की गई। उन्होंने बताया कि समिति ने कुल 43 जनसंवाद कार्यक्रम किए। जिसमें समिति को कुल 2 लाख 32 हजार 961 सुझाव प्राप्त हुए जो कि प्रदेश के लगभग 10% परिवारों के बराबर है। लगभग 10 हजार लोगों से संवाद एवं प्राप्त लगभग 02 लाख 33 हजार सुझावों का अध्ययन करने हेतु समिति की 72 बैठकें हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस रिपोर्ट का विधिक अध्ययन और परीक्षण कर यथाशीघ्र उत्तराखंड राज्य के लिए समान नागरिक संहिता कानून का प्रारूप तैयार कर संबंधित विधेयक को आगामी विधान सभा के विशेष सत्र में रखेगी। इस कानून को लागू करने की दिशा में सरकार तेजी से आगे बढ़ेगी। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, सचिव श्री आर. मीनाक्षी सुदंरम, श्री विनय शंकर पाण्डेय, विशेष सचिव श्री पराग मधुकर धकाते, समान नागरिक संहिता के सदस्य सचिव श्री अजय मिश्रा एवं महानिदेशक सूचना श्री बंशीधर तिवारी उपस्थित थे।

## देवभूमि की जनता से चुनाव में किया था पहला वादा: धामी

नई दिल्ली,देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को उत्तराखंड में जस्टिस देसाई समिति द्वारा सूसीसी का मसौदा राज्य सरकार को सौंपने के बाद नई दिल्ली में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा है कि उत्तराखण्ड में समान नागरिक संहिता का ड्राफ्ट तैयार करने वाली समिति ने यूसीसी का ड्राफ्ट उन्हें सौंप दिया है। उन्होंने कहा कि 740 पृष्ठों की चार वोल्यूम में तैयार की गई इस विस्तृत ड्राफ्ट रिपोर्ट को 05 फरवरी से आयोजित हो रहे राज्य विधान सभा के सत्र में सभी दलों के सदस्यों के साथ व्यापक चर्चा एवं विचार-विमर्श के बाद अधिनियम के रूप में तैयार कर राज्य में लागू कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से हमनें 2022 के विधान सभा चुनाव में प्रदेश की जनता से वादा किया था कि चुनाव के बाद राज्य में समान नागरिक संहिता का कानून लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपने वादे के मुताबिक हमनें सरकार गठन के तुरंत बाद ही पहली कैबिनेट की बैठक में ही समान नागरिक संहिता बनाने के लिए एक विशेषज्ञ समिति के गठन का निर्णय लिया था और सेवानिवृत्त न्यायाधीश श्रीमती रंजना प्रकाश देसाई के नेतृत्व में पांच सदस्यीय समिति गठित की। उन्होंने कहा कि इस देवभूमि से तैयार होने वाला यह विधेयक प्रदेश हित के साथ 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' तथा सबका साथ, सबका विकास के प्रधानमंत्री श्री मोदी के मूल मंत्र को साकार करने की दिशा में उठाया गया कदम है। यह किसी के भी विरोध के लिए नहीं लाया गया है। उत्तराखंड का प्रस्तावित कानून दूसरे राज्यों के लिए एक मॉडल बन सकता है।

रेरा एप्रूव्ड कालोनी
30 से 60 तक चौड़ी सड़कें,
बड़े-बडे पार्क, गेट बंद कालोनी
90 प्रतिशत तक ऋण सुविधा,
सीवरेज, स्ट्रीट लाईट

डायनामिक गार्डन सिटी
तोमर कंस्ट्रक्शन
श्री राधा स्वामी सत्संग घर गेट नं. 7 के सामने किच्छा रोड, रूद्रपुर
मोबा. 9557222289,7088169159

- 100 से 400 गज तक के प्लाट
- 100,160, 200 गज विला
- खरीदने व बेचने हेतु सम्पर्क करें।

100 से अधिक परिवार रह रहे हैं

# जैव प्रौद्योगिकी के नवीन तकनीक पर प्रशिक्षण का आयोजन

## मॉलिक्यूलर तकनीक की जानकारी समय की मांग: डा. संजय

पंतनगर(उद संवाददाता)। उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद, हल्दी एवं हाई मीडिया लैब, मुम्बई के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का शुभारम्भ संयुक्त रूप से परिषद के निदेशक डा. संजय कुमार, वैज्ञानिक डा. कंचन कार्की, डा. सुमित पुरोहित, डा. मणिन्द्र मोहन एवं विशेषज्ञ एप्लीकेशन साइंटिस्ट हाई मीडिया लैब डा. अनुपम पांडेय एवं राजीव राय ने दीप प्रज्जवलित करके किया। मुख्य अतिथि निदेशक डा. संजय कुमार ने जैव प्रौद्योगिकी में मॉलिक्यूलर तकनीक की उपयोगिता की जानकारी देते हुए मॉलिक्यूलर तकनीकों को नवाचार का जरूरी हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि आज मॉलिक्यूलर तकनीकी के सहायता से घातक बीमारियों की पहचान कम से कम समय मे किया जा सकता है। उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि आज की सीखी हुयी आधुनिक तकनीक का भविष्य में बहुत मांग है, इसलिए उज्जवल भविष्य के लिए प्रतिभागी इसे पूर्ण मनोयोग से सीखें। विषय विशेषज्ञ डा. अनुपम पांडेय एवं राजीव राय ने ब्लड नमूनों से डीएनए का ऑटोमेटिक पृथक्करण करने का प्रशिक्षण दिया। साथ ही उन्होंने प्रोटीन नमूनों का पृथक्करण की जानकारी प्रतिभागियों को दी। परिषद के वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक डा. कंचन कार्की ने मॉलिक्यूलर बायोलॉजी की नवीन तकनीकों की जानकारी दी। इस दौरान पंत वि.वि. पंतनगर, ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय, देहरादून, इन्वर्टिस वि. वि. बरेली, कुमाऊं वि.वि. नैनीताल, आईएफटीएम मुरादाबाद एवं टीएमयू मुरादाबाद के 100 से अधिक स्नातक, परास्नातक एवं पीएचडी के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन डा. मणिन्द्र मोहन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ सुमित पुरोहित ने किया। इस दौरान मेजर अशोक कुमार राठौर, परिषद के वैज्ञानिक डॉ. मणिन्द्र मोहन, डा. कंचन कार्की, डा. सुमित पुरोहित, अनुज कुमार, केशव रावत, ललित मिश्रा, सौरभ पंडा, अनुज जॉन, अनुपम आजाद, लोकेश त्रिपाठी, वैशाली पलेरिया, मेधा सिंह, धीरज सूंठा, भूपाल सिंह, बबीता, मनोज शाह उपस्थित रहें। क्या है ऑटोमेटिक न्यूक्लिक एसिड एक्सट्रेक्टर:- ऑटोमेटिक न्यूक्लिक एसिड एक्सट्रेक्टर तकनीक से विभिन्न प्रकार के नमूनों जैसे कि खून, पौध, जल, मिट्टी, जीवाश्म, जीवाणु इत्यादि के डीएनए एवं आरएनए का सही व सटीक तरीके से पृथक्करण किया जाता है और आगे की तकनीक जैसे पीसीआर, डीएनए फिंगर प्रिंटिंग, बारकोडिंग एवं एडिटिंग जैसे महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं से सही और सटीक निष्कर्ष कम समय में निकालाजा सकता है।

# ग्राम विकास अधिकारी को जान का खतरा

## मारपीट के बाद दी गई मौत के घाट उतारने की धमकी
## पुलिस ने नहीं की सुनवाई, कोर्ट में दिया प्रार्थना पत्र

काशीपुर(उद संवाददाता)। विकास खंड कार्यालय के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में सप्ताह भर पूर्व ब्लॉक प्रमुख तथा उसके एक साथी द्वारा ग्राम विकास अधिकारी से गाली गलौज मारपीट तथा जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए जान से मारने की धमकी देने के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। सूत्रों का कहना है कि घटना के साक्ष्य मिटाने के लिए डीवीआर गायब कर दिए गए हैं। पुलिस के अधिकारियों ने जब मामले की लीपापोती करने का प्रयास किया तो पीड़ित पक्ष में कोर्ट की शरण ले ली। 156/3 के तहत अदालत में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने पर 6 तारीख नियत की गई है। घटना के बारे में जानकारी देकर विकासखंड कार्यालय में तैनात ग्राम विकास अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि बीते 24 जनवरी को समय लगभग 4 बजे जब वह अपने सहकर्मी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्षा में स्थानांतरण किए गए क्षेत्र की चर्चा कर रहा था इसी दौरान ब्लाक प्रमुख तथा उसके एक साथी ने वहां पहुंचकर गाली गलौज मारपीट शुरू कर दी। घटना को अंजाम देते हुए आरोपियों ने जाति सूचक शब्दों का प्रयोग कर जान से मारने की धमकी भी दी। शिकायतकर्ता का कहना है की घटना को अंजाम देते हुए आरोपी हथियारों से लैस थे। शिकायतकर्ता ने कोर्ट को बताया कि सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए मारपीट गाली गलौज व जान से मारने की धमकी देने की उक्त घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड है। उसे ब्लॉक प्रमुख तथा साथी द्वारा जान से मारने की धमकी दी गई है। ग्राम विकास अधिकारी ने आरोपियों से अनहोनी की आशंका जताते हुए कार्यवाही की मांग की है।

## स्टोन क्रेशर मामले में भी किया था करोड़ों का घपला

काशीपुर। ग्राम विकास अधिकारी मनोज कुमार की अधिवक्ता श्रीमती सिंध आकाश ने बताया कि आरोपी ब्लॉक प्रमुख के खिलाफ पूर्व में भी चोरी तथा धोखाधड़ी का एक संगीत मामला यूपी के जनपद रामपुर के तहसील स्वार में दर्ज है। 42 कालकाजी नई दिल्ली निवासी सुशील कुमार जैन पुत्र बीके जैन ने वर्ष 2021 की 29 सितंबर को धारा 379 420 467 468 406 आईपीसी के तहत यह मामला दर्ज कराया था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि सड़क निर्माण में काम आने वाली रेता बजरी का सप्लायर है। उसने सुल्तानपुर पट्टी में एक स्टोन क्रेशर लगाया। लॉकडाउन के कारण वह स्टोन क्रेशर चल नहीं सका। इस दौरान ब्लाक प्रमुख के भाई से कुछ शर्तों पर अनुबंध हुआ। शिकायतकर्ता का आरोप है कि लिखे अनुबंध को दरकिनार करते हुए ब्लॉक प्रमुख तथा उसके तीन भाइयों ने षड्यंत्र के तहत करोड़ों रूपयों की मशीनें बेचकर रकम उपरोक्त चारों डकार गए।

# उद्यमिता तथा स्वरोजगार की अपार संभावनाएं: यादव

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सितारगंज में देवभूमि उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद व उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय बूट कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर सुभाष वर्मा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना तथा स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया गया। प्रथम दिवस में कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए देवभूमि उद्यमिता योजना केन्द्र के नोडल अधिकारी डॉ0 एम. सी. आर्य ने योजना की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा को साझा किया। तत्पश्चात भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से आए हुए विषय विशेषज्ञ विनय यादव ने देवभूमि उद्यमिता योजना पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि आने वाला समय उद्यमियों का होगा। यह महत्वाकांक्षी योजना है। जिसके लिए उत्तराखंड सरकार तथा भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद निरन्तर प्रयासरत हैं और उत्तराखंड में उद्यमिता तथा स्वरोजगार की अपार संभावनाएं हैं और प्राप्त संसाधनों को अवसर में परिवर्तित कर एक अच्छा स्टार्टअप प्रारंभ किया जा सकता है। द्वितीय दिवस में विषय विशेषज्ञ प्रोफेसर एस. के. कटियार उत्तराखंड द्वारा वित्तीय सहायता तथा विभिन्न क्षेत्रीय स्तर पर संभावित बिजनेस आइडिया पर प्रस्तुतीकरण दिया गया। साथ ही वक्ता अरविन्द खुराना ने इंसोरेंस तथा म्यूचयल फंड आदि पर विचार साझा किए। समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ सत्यमित्र सिंह ने उद्यमिता पर विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में राजकीय औद्योगिक संस्थान सितारगंज से प्रशिक्षक प्रताप सिंह मेर, श्रीमती उषा, रमेश चंद्र शर्मा ने विचार रखे। तथा दो दिवसीय बूट कैम्प विद्यार्थियों के साथ प्रतिभाग कर सहयोग किया। संचालन डॉ0 एम. सी. आर्य द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त विद्वान प्राध्यापक एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे। अंत में कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ आर्य ने समस्त महाविद्यालय परिवार का आभार प्रकट किया तथा प्राचार्य प्रो सुभाष वर्मा द्वारा कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

# अवैध शराब सहित दो तस्कर पकड़े

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। पुलिस ने अलग अलग स्थानों से दो नशा तस्करों को 91 पाऊच अवैध शराब सहित गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार एसआई नवीन बुधानी साथी पुलिस कर्मियों कां. अमित जोशी व महेन्द्र कुमार के साथ गश्त कर रहे थे। इसी दौरान दूधियानगर में एक स्थान पर भीड़ दिखाई दी। पुलिस के पहुंचते ही वहां खड़े लोग भागने लगे। पुलिस ने एक व्यक्ति को कट्टे सहित दबोच लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम पता विजय पुत्र डालचन्द निवासी रम्पुरा बताया। तलाशी लेने पर उसके पास मौजूद कट्टे से कुल 68 पाऊच अवैध शराब के बरामद हुए। वहीं एसआई विशाल रावत व कां. कृष्ण प्रसाद ने चैकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर भूररानी चौराहा के पास एक नशा तस्कर को पकड़ लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम पता करन पुत्र बिन्देश्वर साहनी निवासी भूररानी वार्ड 32 बताया। तलाशी लेने पर उसके पास मौजूद कट्टे से कुल 31 पाऊच अवैध शराब के बरामद हुए। पुलिस ने शराब कब्जे में लेकर दानों नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया।

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध है।
मोबाइल, चिप, डिजिटल कैमरा, पेन ड्राइव, सीडी आदि डिजिटल कार्य तुरन्त बनवायें।
काशीपुर बाईपास रोड,
गुरूनानक कन्या इण्टर कालेज के सामने गली में, रुद्रपुर
E-mail: jagdishcolourlab@gmail.com
Web: jagdishcolourlab.com
05944-246817

# कच्ची शराब समेत दो गिरफ्तार

काशीपुर(उद संवाददाता)। गश्त के दौरान पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से अवैध कच्ची शराब के दो कारोबारियों को दबोचकर उनके कब्जे से 83 पाउच कच्ची शराब बरामद किया। जरूरी पूछताछ के बाद गिरफ्तार शराब तस्करों का पुलिस द्वारा आबकारी अधिनियम के अंतर्गत चालान करते हुए उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। कार्यवाही के बारे में पता चला है कि कोतवाली पुलिस क्षेत्र में गश्त पर थी इसी दौरान उसने गुलजारपुर गन्ना केंद्र के सामने संदिग्ध हालत में चहल कदमी करते हुए एक शख्स को शक के आधार पर दबोच लिया। पुलिस की कड़ी पूछताछ में पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम ग्राम गुलजारपुर निवासी डोरी लाल पुत्र झुन्नीलाल बताया। तलाशी में उसके कब्जे से पुलिस को 50 पाउच यानी 25 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई। इसी तरह शिवांगी कॉलोनी में एक घर के समीप से पुलिस ने उपरोक्त कॉलोनी निवासी कुलवंत सिंह पुत्र बाज सिंह कौशिक के आधार पर दबोचकर तलाशी में उसके कब्जे से 33 पाउच लगभग 11 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद किया। पकड़े गई दोनों शराब तस्करों को कोतवाली लाकर जरूरी पूछताछ के बाद उनका धारा 60 आबकारी अधिनियम के अंतर्गत चालान कर दिया गया।

# जैम फैक्ट्री से हटाया अतिक्रमण

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। प्रशासन द्वारा बीते कई दिनों से अतिक्रमण के खिलाफ अभियान लगातार चलाया जा रहा है। कई लोग अभियान का विरोध भी करते नजर आ रहे हैं। वहीं नजूल की जमीनों पर अतिक्रमण मुक्त करने का नगर निगम का अभियान जोरो शोरों से चल रहा है। नगर आयुक्त पंकज उपाध्याय और सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह ने जवाहर नगर क्षेत्र में टीम के साथ पहुंच कर जैम फैक्ट्री की दो एकड़ से अधिक सरकारी जमीन को अतिक्रमण से कब्जा मुक्त कराया। पकज उपाध्याय ने बताया कि पूर्व में इस जमीन को लीज पर दिया गया था। जिसकी अवधि खत्म हो जाने पर नगर निगम की टीम ने भारी फोर्स के साथ मौके पर कब्जा लिया है। नगर निगम की जेसीबी ने निर्माण कार्य तोड़ते हुए नजूल भूमि को कब्जे में लेने का काम किया है। अब तक शहर में 6 एकड़ से अधिक अतिक्रमित जमीन में अतिक्रमण मुक्त करते हुए कब्जा लिया गया है। नगर निगम के आयुक्त पंकज उपाध्याय का कहना है कि सरकारी भूमि पर जहां भी अतिक्रमण होगा उसे बक्शा नहीं जाएगा।

# फैशन शो में बच्चों ने दिखाये जलवे

हल्द्वानी (उद संवाददाता)।इंस्पिरेशन पब्लिक स्कूल में फैशन शो फ्रोस्टी फैशन का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा दो तक के बच्चों ने अद्भुत प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में बच्चों ने रैम्प वॉक, यूनिक स्टाइल में अपने-2 पोजेज दिए। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास को बढ़ाना था। कुछ छात्राएँ प्रिंसेस के रूप में आई थीं और छात्र प्रिंस और फंकी स्टाइल में आए थे। सभी विद्यार्थियों में उत्साह था। बेस्ट कास्ट्यूम, बेस्ट वॉक, स्टाइलिश किड, क्यूटेस्ट विंटर किड, टिंवकिलिंग स्माइल, स्नो फलैक प्रिंसेस और स्नो फलैक प्रिंस के टाइटल से विद्यार्थियों

को सम्मानित किया गया। प्रधनाचार्य अनुराग माथुर, उप-प्रधानाचार्या श्रीमती ममता तनेजा व कॉर्डिनेटर श्रीमती प्रियंका शर्मा ने विद्यार्थियों को शैशे पहनाकर उनका उत्साहवर्धन किया। निर्णायक मण्डल की भूमिका में श्रीमती शिल्पी नेगी एवं सुश्री अंकिता चौधरी रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती दामिनी दास और एकता बेरी ने किया। कार्यक्रम में कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा दो तक की सभी शिक्षिकाएँ उपस्थित रहीं।

# पवन गावा ने व्यापारियों से लिया आशीर्वाद

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। व्यापार मण्डल चुनाव में कोषाध्यक्ष पद के प्रत्याशी पवन गावा पल्ली ने अंतिम दिन बाजार में व्यापक जनसंपर्क कर चुनाव में विजयी बनाने की अपील की। अपने समर्थकों के साथ जोर शोर से प्रचार में जुटे पवन गावा पल्ली ने दुकानों पर जाकर व्यापारियों से आशीर्वाद लिया। इस दौरान जगह जगह पवन गावा का व्यापारियों ने स्वागत किया और उन्हें जीत के लिए आश्वस्त किया। पवन गावा पवन गावा ने किया कि व्यापार मण्डल में उनका का पहला चुनाव है उन्होंने व्यापारियों के हितों के लिए हमेशा निस्वार्थ भाव से काम करने का प्रयास किया है। व्यापारियों की समस्याओं का निराकरण करने के लिए वह हमेशा तत्पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि व्यापारियों के सम्मान और उनकी समस्याओं के लिए आवाज उठाने के लिए ही वह चुनाव मैदान में उतरे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें व्यापारियों का भरपूर प्यार और स्नेह मिल रहा है, जिससे उनकी जीत तय है। पवन गावा ने कहा कि व्यापारियों के हितों की अनदेखी नहीं होने दी जायेगी। उन्होंने सभी व्यापारियों से 4 फरवरी को मतदान की अपील की।

# विद्यालयों में प्रवेश और छुट्टी के समय पर वाहनों को प्रतिबंधित करने के निर्देश

## डीएम उदयराज सिंह ने परिवहन विभाग द्वारा तैयार हैण्डबुक स्कूल बस का विमोचन किया

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। जिलाधिकारी उदयराज सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने परिवहन विभाग द्वारा ड्राइवरों तथा सहायकों के लिए तैयार हैण्डबुक स्कूल बस का विमोचन किया। बैठक में जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने निर्देशित करते हुए कहा कि मानवीय चूक के कारण होने वाली वाहन दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु जनता विशेषकर युवाओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जाये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि डिग्री कॉलेजों के खुलने तथा बन्द होने के समय पर एलईडी वैन के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जाये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों को विशेषरूप से जागरूक किया जाये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि वाहन दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद करने वाले व्यक्ति को परेशान न किया जाये बल्कि उसे प्रोत्साहित किया जाये। उन्होंने गुड सेमेरिटन (अच्छे मददगार) व्यक्ति से सम्बन्धित

आदेश एवं एक्ट की प्रतियां तहसील, ब्लॉक, थाने तथा अस्पतालों में चस्पा कराने के निर्देश लोनिवि के अभियंताओं को दिये। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों एवं एनएच किनारे स्थित बड़े विद्यालयों में प्रातःकाल प्रवेश तथा छुट्टी के समय पर भार वाहनों को कुछ समय पर प्रतिबन्धित करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये। उन्होंने गन्ना समितियों के साथ वार्ता करते हुए गन्ना वाहनों में रिफ्लेक्टर लगवाने के निर्देश परिवहन विभाग के अधिकारियों को दिये। उन्होंने नगर निगम रूद्रपुर में फुट औवर ब्रिज निर्माण हेतु जन सामान्य की राय लेने तथा अधिक क्रॉसिंग वाले क्षेत्र में ही फुट औवर ब्रिज निर्माण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत 14 फरवरी तक वृहद स्तर पर जन-जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिये। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि सुरक्षित वाहन चलाये और सुरक्षित घर जायें। उन्होंने यातायात नियमों का पालन करने, वाहन दुर्घटना में घायल व्यक्ति की अवश्य मदद करने, दो पहिया वाहन चलाते समय अच्छी गुणवत्ता का हैलमेट का उपयोग करने तथा चौपहिया वालन चलाते समय सीट बेल्ट का अवश्य प्रयोग करने की अपील की।बैठक में अपर जिलाधिकारी अशोक कुमार जोशी, मुख्य शिक्षा अधिकारी केएस रावत, अधिशासी अभियंता लोनिवि अरूण कुमार, राजकुमार, मैनेजर एनएचएआई मीनू, एआरटीओ विमल पाण्डे, निखिल, जितेन्द्र चन्द, चक्रपाणि मिश्रा आदि उपस्थित थे।

# बीएचईएल भूमि का स्वामित्व उत्तराखण्ड सरकार को हस्तांतरित करने का अनुरोध

नई दिल्ली(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री भारी उद्योग डॉ० महेन्द्र नाथ पाण्डेय से भेंट कर उनसे भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, हरिद्वार के स्वामित्व की अनुप्रयुक्त 492 एकड़ भूमि का स्वामित्व उत्तराखण्ड सरकार को हस्तांतरित किए जाने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य में निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से

यह 457 एकड़ भूमि औद्योगिक विस्तार के लिए व 35 एकड़ भूमि मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क स्थापित किये जाने के लिए राज्य सरकार को हस्तांतरित की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने औद्योगिक विकास के लिए केंद्र से मिल रहे सहयोग पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड राज्य निवेश प्रोत्साहन तथा स्टार्ट अप क्षेत्र में निरंतर विकास कर रहा है। भारत सरकार द्वारा निर्गत की जाने वाली रैंकिंग में उत्तराखण्ड लगातार उत्तम श्रेणी प्राप्त कर रहा है।

# बैडमिंटन खिलाड़ियों ने जीते दो स्वर्ण पदक

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। काठमांडू में अयोजित हुई तृतीय साउथ एशियन स्पोर्ट्स गेम्स में रूद्रपुर शहर के चार खिलाड़ियों ने अपना दम-खम दिखाते हुए दो स्वर्ण पदक जीतकर जनपद और उत्तराखंड प्रदेश का नाम रोशन किया। जानकारी देते हुए बैडमिंटन कोच गोविंद परिहार ने बताया कि 29 से 31 जनवरी 2024 तक नेपाल कौंसिल ऑफ स्पोर्ट्स के तत्वावधान एवं साउथ एशियन फेडरेशंस ऑफ ऑल स्पोर्ट्स द्वारा काठमांडू में तृतीय साउथ एशियन स्पोर्ट्स गेम्स 2023 अयोजित हुए। जिसमें भारत के अलावा नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में भारतीय खेल एवं शिक्षा परिषद के नेतृत्व में भारत देश के 91 खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में प्रतिभाग किया। ओर आगे कोच गोविंद परिहार ने बताया कि प्रतियोगिता में बैडमिंटन डबल टीम स्पर्धा में दमदार प्रदर्शन करते हुए लक्ष्य पपनेजा एवं पियूष दानू की जोड़ी ने सेमी फाइनल में

बांग्लादेश को 10 – 21, 15 – 21, 18 – 21 के स्कोर से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। ओर फाइनल में मेजबान नेपाल की टीम को 21- 11, 15-21, 21-17 स्कोर से हराकर भारत देश के लिए स्वर्ण पदक जीता। एवं मिक्सड डबल्स में गुरबाणी कौर और रवि पॉप्तानी ने भी स्वर्ण पदक जीता। तथा कुंवरजीत सिंह अरोड़ा का प्रदर्शन शानदार रहा। अरविंद चित्तौड़िया उक्त प्रतियोगिता में बैडमिंटन खेल के मुख्य कोच की भूमिका में रहे। गोविंद ने कहा कि इन सभी खिलाड़ियों ने विगत दिनों मथुरा में आयोजित हुई राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्वर्ण स्वर्ण पदक अर्जित किया था, जिसके बाद सभी खिलाड़ियों का चयन तृतीय साउथ एशियन स्पोर्ट्स गेम्स के लिया हुआ। कोच गोविंद परिहार के नेतृत्व में विगत 6 वर्षों से लक्ष्य पपनेजा एवं पियूष दानू श्री मनोज सरकार स्पोर्ट्स स्टेडियम रूद्रपुर में बैडमिंटन का गहन प्रशिक्षण ले रहे है। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर जल्द ही एक सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित कर विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर डीएसओ गिरीश कुमार, अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी शरद जोशी, जिला जु-जित्सू संघ, ऊधम सिंह नगर के महासचिव ऋषि पाल भारती, मनोज सिंह, नीतीश कुमार, नवनीत राव सहित सभी खेल प्रेमी जनता ने बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी

# जस्टिस रितु बाहरी हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश नियुक्त

नैनीताल। पंजाब- हरियाणा हाईकोर्ट की वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति रितु बाहरी को नैनीताल हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद उन्हें मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किए जाने की अधिसूचना जारी कर दी गई है। ज्ञात हो कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट की न्यायाधीश रितु बाहरी को उत्तराखंड हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की थी। जस्टिस रितु बाहरी पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट की पहली महिला कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश थीं। उन्होंने 14 अक्तूबर 2023 को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश का चार्ज लिया था। 1962 में पंजाब के जालंधर में जन्मी रितु बाहरी ने अपनी पढ़ाई चंडीगढ़ में की और 1985 में पंजाब यूनिवर्सिटी से लॉ की डिग्री हासिल की।

1986 में पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में वकालत शुरू की और इसके बाद हरियाणा एडवोकेट जनरल कार्यालय में सेवाएं दीं। 16 अगस्त, 2010 को उन्हें पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट का जज नियुक्त किया गया था। वर्तमान में वह पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट की दूसरी वरिष्ठतम जज हैं। जस्टिस रितु बाहरी के पिता जस्टिस अमृत लाल बाहरी भी पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में जज रह चुके हैं।

# लकड़ी लेने जंगल गए ग्रामीण पर भालू ने किया हमला

भीमताल। भीमताल के ओखलकांडा ब्लॉक की ग्राम पंचायत सुनकोट के तोक बरसिला में लकड़ी लेने जंगल गए ग्रामीण पर भालू ने हमला कर दिया। ग्रामीण ने भी साहस दिखाते हुए पत्थर मारकर भालू को जंगल की ओर भगा दिया और खुद किसी तरह गांव तक पहुंचा। सड़क नहीं होने से ग्रामीण घायल को डोली में बैठाकर छह किलोमीटर पैदल सड़क तक लाए। परिजनों ने उसे सुशीला तिवारी अस्पताल भिजवाया।गांव के हेम बोरा ने बताया कि बृहस्पतिवार शाम 5 बजे सुरेश सिंह बोरा पुत्र जमन सिंह बोरा जंगल में लकड़ी लेने गए थे। इस दौरान रास्ते में भालू ने सुरेश पर हमला कर दिया। घायल सुरेश ने हिम्मत दिखाते हुए भालू का सामना किया और पत्थर मारकर भालू को जंगल की ओर खदेड़ दिया। घायल हालत में सुरेश गांव तक पहुंचे। हेम ने बताया कि भालू के हमले में सुरेश बुरी तरह जख्मी हो गए हैं। परिजन और ग्रामीण इलाज के लिए उन्हें डोली के सहारे मुख्य सड़क तक लाए। वहां से उन्हें हल्द्वानी सुशीला तिवारी अस्पताल ले गए। ग्रामीणों ने वन विभाग से भालू को पकड़ने की मांग की है। इधर, प्रधान दिनेश सिंह बोरा ने कहा कि सड़क नहीं होने घायल को छह किलोमीटर पैदल लाए। पैदल सफर तय करने में दो घंटे लग गए। उन्होंने शासन-प्रशासन से सड़क निर्माण के लिए सुध लेने की गुहार लगाई है।

# पूर्व आईएएस अधिकारी ने ली कांग्रेस की सदस्यता

देहरादून। उत्तराखंड में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी रह चुके सुरेश कुमार भंडारी ने आज शुक्रवार को कांग्रेस का दामन थाम लिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने उन्हें कार्यालय में पार्टी की सदस्या ग्रहण कराई। सुरेश भंडारी ने कहा कि वह प्रदेश कैडर के वरिष्ठ नौकरशाह थे। अब सेवानिवृत्ति के बाद कांग्रेस पार्टी की विचारधारा एवं राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा से प्रभावित होकर उन्होंने पार्टी ज्वाइन की है। कांग्रेस में शामिल होकर वह प्रदेश की सेवा के लिए राजनीति में आए हैं, और पार्टी उन्हें जो भी आदेश देगी वह उसका निष्ठा से पालन करेगें। इस अवसर पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि आज राहुल गांधी जिस तरीके से लोकतंत्र और संविधान को बचाने की लड़ाई जनता के सहयोग से लड रहे हैं। उनका स्पष्ट संदेश है कि नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान यह स्लोगन युवाओं और देश की जनता को प्रभावित कर रहा है। कहा कि राहुल गांधी आज लोकतंत्र की धुरी बन गए हैं। मंहगाई से झूझती जनता की पीड़ा को भी वह लगातार उठा रहे हैं। बेरोजगारों के रोजगार के सवाल हो या महिला सुरक्षा का मुद्दा राहुल गांधी सड़क से लेकर सदन तक जिस तरीके से संघर्ष कर रहे है। विभिन्न दलों के बहुत से कार्यकर्ता और नेता कांग्रेस पार्टी से जुड़ना चाहते हैं। जिन्हें शीघ्र ही पार्टी में सम्मलित करवाया जाएगा।

# कोषाध्यक्ष प्रत्याशी बल्लू ने झोंकी ताकत

रुद्रपुर(उद संवाददाता)।प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल चुनाव में कोषाध्यक्ष पद के प्रत्याशी बलविंदर सिंह बल्लू ने प्रचार के अंतिम दिन प्रचार में पूरी ताकत झोंक दी है। उन्होंने अपने समर्थकों के साथ रोड शो निकालकर जोरदार चुनाव प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने व्यापारियों के पास पहुंचकर उनसे आशीर्वाद लिया और कल हो रहे चुनाव में भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। इस दौरान कोषाध्यक्ष पद के प्रत्याशी बलविंदर सिंह बल्लू ने कहा कि कल होने जा रहा व्यापार मण्डल का चुनाव रूद्रपुर बाजार और यहां के व्यापारियों के भविष्य के लिए अहम

साबित होगा। उन्होंने कहा कि व्यापारी आज तमाम समस्याओं से जूझ रहे हैं। इन समस्याकों को लेकर आवाज बुलंद करने की जरूरत है। वह लंबे समय से व्यापारियों से जुड़े हुए हैं और व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव उनके साथ खड़े रहे हैं।आगे भी व्यापारियों के हितों के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे।

# मनोज छाबड़ा का जगह जगह जोरदार स्वागत

रुद्रपुर(उद संवाददाता)व्यापार मंडल चुनाव में महामंत्री पद के प्रत्याशी मनोज छाबड़ा का चुनाव प्रचार अंतिम दिन पूरे जोर शोर से जारी रहा। चुनाव प्रचार के दौरान मनोज छाबड़ा का जगह जगह व्यापारियों ने जोरदार स्वागत किया और उन्हें विजयी होने के लिए अपनी शुभकामनाएं दी। इस दौरान व्यापारियों के प्यार और स्नेह के लिए मनोज छाबड़ा ने सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि व्यापारियों का जो समर्थन और स्नेह उन्हें मिल रहा है उसकी बदौलत उनकी जीत सुनिश्चित है। छाबड़ा ने कहा कि व्यापारियों के सुख दुख में वह हमेशा साथ रहे हैं जिसका लाभ उन्हें इस चुनाव

में मिल रहा है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों के हितों के लिए वह हमेशा तत्पर रहे हैं।भविष्य में भी व्यापारियों के हितों के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने व्यापारियों से 4 फरवरी को अधिक से अधिक संख्या मतदान की अपील की।

# चोरों ने तीन और बाइकों पर किया हाथ साफ

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। शहर में बाइक चोरी का सिलसिला थम नहीं रहा है। वाहन चोरों ने तीन और बाइकों पर हाथ साफ कर लिया। पुलिस ने तीनों मामलों की रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। कृष्णा कालोनी ट्रांजिट कैम्प निवासी नरेन्द्र कुमार पुत्र धर्म पाल ने पुलिस तहरीर देकर बताया कि वह ग्राम रोहनिया तह बहेड़ी थाना बहेड़ी का मूल निवासी है। 30 जनवरी की शाम सात बजे उसने अपनी मोटर साईकिल संख्या यूपी 25बीएस 7114 कृष्णा कालोनी में अपने घर के बरामदे में खड़ी की थी सुबह 6:30 बजे जब वह उठा तो मोटर साईकिल गायब थी वहीं बाजार चौकी में दी तहरीर में अलायंस किंग्स्टन स्टेट फेज 3 हाउस नंबर 34 निवासी नरेश ग्रोवर पुत्र लाल चन्द्र ने बताया कि 30 जनवरी को दोपहर डेढ़ बजे उनकी हौंडा स्पलेंडर प्लस बाइक संख्या यूके 06एवाई 7508 गल्ला मंडी स्थित भारत साइकिल स्टोर पर खड़ी थी। जिसे अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिया। वहीं सिडकुल चौकी को सौंपी तहरीर में मकरंदपुर गदरपुर निवासी शुभांकर साना पुत्र नरेन साना ने बताया कि 27 जनवरी की शाम 4.30 बजे की शिफ्ट में उसने अपनी स्पलेंडर बाइक संख्या यूके 06एएल3668 अशोका कम्पनी के सामने खड़ी की थी। रात लगभग 9.30 बजे जब शिफ्ट से बाहर आया तो बाइक गायब थी। पुलिस ने तीनों मामलों की रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

# बाहरी पर्यावरण स्वच्छ करने से मन का प्रदूषण समाप्त होगा: साध्वी भारती

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा गांधी पार्क में आयोजित श्री मद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में पर्यावरण असंतुलन की समस्या को उठाते हुए साध्वी सुश्री कालिंदी भारती जी ने कहा कि समाज मानव मन की अभिव्यक्ति है। जब-जब संतों के आदर्शों पीढ़ियों को ऐसी दुनियां देना चाहेंगे? जिसकी हवाओं में जहर घुला हो, जहाँ धूल, हूंओं और बीमारियां आम बात हों। जहाँ सूखा और बाढ़ विनाश की सृष्टि करते हों। संभवत: कोई भी माता-पिता अपने बच्चों को ऐसी विभीषक दुनियां नहीं देना चाहेगा। यदि हमें एक स्वच्छ व सुंदर आज का आधुनिक मानव जिस गति से पर्यावरण का शोषण कर रहा है उसके परिणाम स्वरूप आने वाले कुछ समय में पृथ्वी पर न तो पीने के लिए स्वच्छ जल बचेगा और न ही सांस लेने के लिए स्वच्छ वायु। पृथ्वी के हाहाकार से, प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली क्षति का स्तर भी पृथ्वी के अस्तित्व को खतरा हो जाएगा। हमारे पर्यावरण में पूरी तरह से शहर घुल चुका है। इसका जिम्मेवार स्वयं मानव ही है। जिसकी विकासवादी सोच आज मानव जाति के लिए घातक सिद्ध हो रही है। इसी सोच के कारण ही मानव प्रकृति के प्रति अपने कर्त्तव्यों को भूलता जा रहा हो चुका है। मानव की जरुरतों में हुई बढ़ोतरी के कारण वह प्राकृतिक साध्नों का दुरुपयोग करने लग गया है। इसकी पूर्ति के लिए मनुष्य ने पौधे की कटाई कर कंक्रीट के जंगलों का निर्माण करना शुरु कर दिया है। इसके अलावा नदियों को कारखानों की गंदगी फेंकने के लिए वितरित किए गए। उल्लेखनीय है कि दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा प्रस्तुत इस कथा में प्रतिदिन सामाजिक बुराईयों व समस्याओं के प्रति विश्लेषणात्मिक विचार प्रस्तुत किए जा रहे हैं। उपस्थित प्रभु भक्त इसी रोचकता के चलते बड़ी संख्या में कथा श्रवण करने हेतु पधर रहे

का परित्याग करते हुए मानव भोग वासना की ओर प्रवृत्त हुआ तब तब समाज विषाक्त होता। जरुरत मन को प्रदूषण से मुक्त करने की है। जब मन का प्रदूषण समाप्त होगा तब बाहरी पर्यावरण स्वत: ही स्वच्छ हो जाएगा। इसके लिए जरुरत है ब्रह्मज्ञान की जो मानसिक शुद्धता का सशक्त साधन है। हमें आवश्यकताओं और लालसाओं में भेद करना होगा। जितनी लालसायें बढ़ेंगी उतना ही प्रकृति का दोहन होगा। क्या हम आने वाली समाज का निर्माण करना है तो भारतीय सांस्कृति जीवन दृष्टि को पुनर्जीवित करना होगा और उसे सक्रिय रूप से लागू करना होगा। इसी भारत भूमि के संतों ने हमें चेताया कि भूमि के सुखों को भोगो तो सही परन्तु त्यागपूर्वक, यदि त्यागपूर्वक नहीं भोगेंगे तो भोगने की क्षमता और सामर्थ्य नहीं रहेगा। संतों के बताए मार्ग पर चलकर हम पृथ्वी को रसातल के मार्ग पर भेजने से बचा सकते हैं। साध्वी जी ने इस गंभीर मुद्दे पर विचार देते हुए कहा कि बढ़ जाएगा। इसलिए यदि समय रहते इस दिशा में पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए तो मानव अपने भविष्य भविष्य के लिए स्वयं जिम्मेवार होगा। वर्तमान समय में यदि कोई आपदा मानव जीवन को खत्म करने का प्रयत्न कर रही है तो वह है पर्यावरण में बढ़ रहा प्रदूषण। इसमें तेजी से हो रही बढ़ोतरी के कारण पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है व समुद्र के पानी का स्तर ऊपर उठता जा रहा है। यदि यह ऐसे ही चलता रहा तो एक दिन है। वह संवैधनिक व सामाजिक नियमों की धज्जियाँ उड़ा कर वातावरण में शहर घोलता जा रहा है। 19वीं सदी तक प्रदूषण नाम की समस्या से लोग अनभिज्ञ थे परन्तु जैसे ही उद्योगिक क्रांति आई संसार में प्रतिदिन नए-नए कारखाने खुलने लगे। इनके द्वारा पैदा किए गए जहरीले धूंऐ व कच्चे माल की पूर्ति के लिए प्राकृतिक साधनों के शोषण ने इस समस्या को जन्म दे दिया है। इस क्रांति के साथ ही मानव की जिन्दगी का पूरी तरह से मशीनीकरण कूड़ादान बना लिया है। ग्लोबल वार्मिंग बढ़ने के कारण सूर्य की भयानक किरणों से हमारा बचाव करने वाली ओशोन परत में भी छिद्र हो चुका है। जिस कारण आज मानव भयानक व नामुराद बीमारियों से ग्रसित है। यदि इस प्रदूषण को न रोका गया तो वर्ष 2054 तक हमारी सुरक्षा कवच ओजोन परत पूरी तरह से नष्ट हो जाएगी। कथा में पर्यावरण जागरुकता संबंध एक विशेष स्टाल लगाया गया व आए हुए भक्त श्रद्धालुगणों को पौधे हैं। श्री मद्भागवत की कथा में भगवान श्री कृष्ण की नटखट व भाव विभोर करने वाली लीलाओं को कथा प्रसंग व मधुर संकीर्तन के माध्यम से श्रवण कर भक्त श्रद्धालुगण मंत्र मुग्ध हो झूमने को मजबूर हो उठे।शुक्रवार को पूजन में रामचंद्र सिंघल, मनीष अग्रवाल,विजय गर्ग,विष्णु बंसल शामिल रहे।जबकि अतिथि के रूप में केंद्रीय सह मंत्री विश्व हिन्दू परिषद स्नेह पाल,विभाग संघचालक,देवी लाल चौधरी, निशांत राणा ,वीरेंद्रजिंदल आदि थे।

# भाजपा प्रदेश प्रभारी गौतम का फूंका पुतला

हल्द्वानी (उद संवाददाता)।भाजपा प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम के अमर्यादित बयान पर महानगर कांग्रेस ने महानगर अध्यक्ष गोविंद बिष्ट के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कड़ा विरोध करते हुए उनका पुतला फूंका। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट गोविंद सिंह बिष्ट ने कहा कि इंडिया गठबंधन के वरिष्ठ नेताओं के लिए अमर्यादित शब्दो का इस्तेमाल भाजपा पार्टी की छोटी मानसिकता और उनके नेताओ में व्याप्त अहंकार को दर्शाता है। आजाद भारत के राजनीतिक इतिहास में मुख्य विपक्षी दलों के मुख्य नेताओ को लेकर कभी भी इस प्रकार की अमर्यादित भाषा का प्रयोग नही किया गया है। अब भाजपा नेताओं द्वारा ऐसी भाषा का उपयोग उनकी हताशा और डर को दर्शा रहा है।

पुतला दहन कार्यक्रम में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष हेमन्त बगड़वाल, नगर अध्यक्ष महिला कांग्रेस मधु सांगूड़ी, जिला महासचिव मलय बिष्ट, प्रदेश सचिव मंजू दानू, महानगर कांग्रेस महासचिव विनोद कुमार, विधायक प्रतिनिधि जीवन कार्की, गोविंद बगड़वाल, मंयक भट्ट, कोषाध्यक्ष कन्नू परगाई, राजेन्द्र बिष्ट, निवर्तमान पार्षद राधा आर्य, प्रदेश उपाध्यक्ष युवा कांग्रेस मीमांशा आर्य, गीता बहुगुणा, कमला तिवारी, राजू सुयाल, आलोक शर्मा, बबलू बिष्ट, संदीप भैसोड़ा, पूरन बिष्ट, कोमल जायसवाल, अमित रावत, अनिल कन्नौजिया, प्रदीप विष्ट, साद अली, संजू उप्रेती, फैजुल हक आदि उपस्थित थे।

# पुलिस ने गिरफ्तार किये आठ वारंटी

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत चलाये जा रहे आपरेशन प्रहार के तहत रम्पुरा चौकी पुलिस ने शुक्रवार रात अभियान चलाकर धारा 60 आबकारी अधिनियम से संबंधित वारंटी अभियुक्त रोशन लाल पुत्र स्वर्गीय छोटेलाल निवासी वार्ड नंबर 22 रम्पुरा, वजीर कोली पुत्र केदार निवासी वार्ड नंबर 22 रम्पुरा ,प्रेम शंकर पुत्र हरिओम निवासी वार्ड नंबर 22 केदारनी चौराहा रम्पुरा, सूरज कोली पुत्र ओमप्रकाश कोहली निवासी वार्ड नंबर 7 रम्पुरा, धारा 452,323,504,506 से संबंधित अभियुक्तगण रोहतास पुत्र रमेश निवासी वार्ड नंबर 7 रम्पुरा, विनोद पुत्र रमेश निवासी वार्ड नंबर 7 रम्पुरा, अरुण पुत्र परशुराम निवासी वार्ड नंबर 7 रम्पुरा,

धारा 60 से सम्बंधित अभियुक्त कुलवंत सिंह पुत्र बख्तावर निवासी फाजलपुर महरौला को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गये सभी अभियुक्त लंबे समय से फरार चल रहे थे। सभी को कोर्ट में पेश कर जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है। पकड़ने वाली टीम में कोतवाल धीरेंद्र कुमार, एसएसआई कमाल हसन, एसएसआई के.सी.आर्या, एसआई नवीन बुधानी, कांस्टेबल ध्यान सिंह, पूरन राम ,गणेश धानिक,अमित जोशी एवं विजयपाल आदि शामिल रहे।

उत्तरांचल दर्पण
सम्पादकीय सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

# ईडी की जांच और पूछताछ

अभी दिल्ली के मुख्यमंत्री और प्रवर्तन निदेशालय के बीच जोर आजमाइश चल रही है। आबकारी नीति में हुई कथित अनियमितताओं को लेकर प्रवर्तन निदेशालय नें पांचवीं बार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पूछताछ के लिए नोटिस भेजा, मगर उन्होंने फिर यह कह कर उसे टाल दिया कि नोटिस अवैध है। चंडीगढ़ के मेयर चुनाव में हुई कथित गड़बड़ी को लेकर पार्टी ने दिल्ली में भाजपा मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। इसमें अरविंद केजरीवाल को भेजे गए नोटिस का मुद्दा भी शामिल था। खुद केजरीवाल ने इसे लेकर प्रेसवार्ता की और बताया कि किस तरह केंद्र सरकार उनकी सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है। वह नहीं चाहती कि वे आम चुनाव में प्रचार करने जा सकें। उन्होंने बताया कि शराब घोटाला मामले में लंबे समय से सीबीआइ और ईडी जांच कर रही हैं, मगर उन्हें आज तक एक भी पुख्ता सबूत हाथ नहीं लगा है। यह पहली बार नहीं है, जब अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी इस मामले को बेबुनियाद, मनगढ़ंत और बेवजह परेशान करने की नीयत से रचा गया बता रहे हैं। जब यह मामला सामने आया, तबसे लेकर अब तक उनका यही दावा है कि वे कट्टर ईमानदार लोग हैं, उनके पास छिपाने को कुछ नहीं है।मगर अब प्रवर्तन निदेशालय पर शायद उनके तर्कों, शक्ति प्रदर्शन और राजनीतिक हथकंडों का शायद ही कोई असर पड़े। ईडी को कानूनी अधिकार हैं कि तीन बार से अधिक नोटिस भेजे जाने के बावजूद कोई व्यक्ति पूछताछ के लिए हाजिर नहीं होता है, तो वह उसे गिरफ्तार कर सकता है या उसके कुछ अधिकारी उससे पूछताछ कर सकते हैं। हालांकि पिछले साल अप्रैल में सीबीआइ केजरीवाल से करीब नौ घंटे पूछताछ कर चुकी है। मगर ईडी से वे बचते फिर रहे हैं। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी ऐसे ही तर्कों के साथ ईडी का सामना करने से बच रहे थे। आखिरकार अधिकारियों ने उनके कार्यालय में जाकर पूछताछ की और जब वे अपने पक्ष में संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाए, तो दो दिन पहले उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। अरविंद केजरीवाल खुद यह बात कह रहे हैं कि यही प्रक्रिया उनके साथ भी दोहराई जा सकती है। बेशक ईडी और सीबाआइ की कार्यशैली लंबे समय से प्रश्नांकित की जा रही है, पर यह सवाल अपनी जगह बना हुआ है कि अगर अरविंद केजरीवाल सचमुच बेदाग हैं, उनका शराब घोटाले से कोई लेना-देना नहीं, तो फिर उन्हें ईडी के सवालों से बचने की जरूरत क्या है। उन्हें अपने पक्ष में सबूत पेश करने में हिचक क्यों होनी चाहिए। एक समय वे खुद कामकाज में पारदर्शिता के लिए आरोपी नेताओं को कानून का सामना करने की वकालत करते थे। फिर उन्हें इस मामले में कन्नी काटने की क्या जरूरत? इस मामले में उनके दो नेता सलाखों के पीछे हैं। अगर सचमुच आबकारी नीति सही थी और उसके तहत शराब के ठेकों का आबंटन आदि पारदर्शी तरीके से किया गया था, तो उन्हें इसके प्रमाण पेश करके इस मामले पर से पर्दा उठाना चाहिए। इस तरह की राजनीतिक रस्साकशी से आखिरकार आम नागरिक दिग्भ्रमित होते हैं।

## परियोजनाओं के निर्माण में इंटिग्रेटेड प्लान के साथ कार्य करने की दी कड़ी हिदायत

देहरादून( उद संवाददाता)। राज्य में परियोजनाओं के निर्माण के संदर्भ में संसाधनों के अपव्यय को समाप्त करने के दृष्टिगत मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने व्यय वित्त समिति की बैठक में संबंधित अधिकारियों को सभी प्रोजेक्ट्स के निर्माण के दौरान इंटिग्रेटेड प्लान के साथ कार्य करने की कड़ी हिदायत दी है। मुख्य सचिव ने गोपेश्वर एवं रुड़की के डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल में बनने वाले 50 बेड के क्रिटिकल केयर ब्लॉक की समीक्षा के दौरान स्वास्थ्य विभाग को सख्त हिदायत दी है कि हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास की दृष्टि से वर्तमान अस्पतालों, स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने की जरूरत है। उन्होंने मानसखण्ड योजना के तहत चंपावत में देवीधूरा बाराही देवी मंदिर के सौंदर्यीकरण की समीक्षा करते हुए मंदिर निर्माण, परिक्रमा मार्ग, प्रवेश द्वार, गहरवालखाम एवं आंतरिक विद्युतीकरण के कार्य को निर्धारित समय सीमा पर पूरा करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने 4042.90 लाख रुपए से संचालित होने वाले ऋषिकेश शहर के तहत मुनि-की-रेती, ढालवाला तथा तपोवन क्षेत्र के ड्रेनेज प्लान को जल्द पूरा करने निर्देश सिंचाई विभाग को दिए। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री आनंद वर्धन, सचिव डा. आर राजेश कुमार, श्री सचिन कुर्वे सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

# वैज्ञानिक अनुसंधान में लगे युवाओं के सपने होंगे पूरे

## शोध के लिए युवाओं को मिलेगा ब्याज मुक्त कर्ज

बीते कुछ सालों में भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में अनेक वैश्विक उपलब्धियां हासिल करके दुनिया को चौंकाने का काम कर दिया है। इनमें पहली बार चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचना, सूर्य के अध्ययन के लिए आदित्य-एल मिशन प्रक्षेपित करना और इसरो द्वारा ब्लैक होल के रहस्यों को खंगालने के लिए उपग्रह भेजने जैसी उपलब्धियां शामिल हैं। भविष्य में भारत अंतरिक्ष में मानव युक्त गगनयान भेजने और शुक्र ग्रह पर पर जाने की तैयारी में है। धरती और समुद्री सतह पर भी उल्लेखनीय वैज्ञानिक उपलब्धियां हासिल की हैं। बावजूद वैज्ञानिक अनुसंधनों में भारत कई देशों से पिछड़ रहा है। धन की कमी के चलते संस्थाएं और मौलिक सोच रखने वाले युवा सपने देखते ही रह जाते हैं। इसकी एक वजह निजी क्षेत्र का अनुसंधान में ज्यादा योगदान नहीं देना भी रहा है। लेकिन अब 2024 के अंतरिम बजट में ऐसे प्रावधान कर दिए हैं, जो युवाओं के सपने पूरा करने में मदद करेंगे। उन्हें अब धन की कमी आड़े नहीं आएगी। शोध के लिए वे जितना चाहेंगे, ब्याज मुक्त धन मिल जाएगा। बजट में सरकार ने युवाओं के सपने साकार करने के लिए बड़ा एलान किया है। इसके अंतर्गत 50 वर्षों तक के लिए ब्याज मुक्त ऋण हेतु एक लाख करोड़ रुपए की निधि तय की गई है, इससे उभरते नवीन क्षेत्रों में अनुसंधान और आविष्कारों के लिए आर्थिक मदद दी जाएगी। इस पहल से शोध में तो तेजी आएही ही, नए रोजगार भी विकसित होंगे। इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'जय अनुसंधान' नारे से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत 'राष्ट्रीय शोध संस्थान' के गठन की घेषणा की थी। 2021 के बजट में इस मकसद पूर्ति के लिए 5 वर्षों में 50 हजार करोड़ रुपए खर्च भी किए जाने हैं। इस परिप्रेक्ष्य में शैक्षिणिक संस्थानों के साथ मिलकर शोध के क्षेत्र में तेजी आई हुई है। इसका कारगर परिणाम हाल ही में जारी हुई उच्च शिक्षण संस्थानों की विश्वस्तरीय रैंकिंग में दिखा दी है। अब तक भारत अपनी जीडीपी का मात्र 0.65 प्रतिशत शोध पर खर्च करता रहा है। अतएव एक लाख की आबादी पर महज 26 शोधार्थी ही नए शोध कर पाते हैं, जबकि निम्न आय वाले देशों में यह अनुपात 32 और चीन में 169 एवं अमेरिका में 445 है। धन की कमी से शोध कार्य न केवल लंबे खिंचते हैं, बल्कि कभी-कभी अप्रासंगिक भी हो जाते हैं। इस नाते भारत अनुसंधान के पैमाने पर चीन और अमेरिका से तो पीछे है ही, दक्षिण अफ्रीका से भी पिछड़ा है, दक्षिण अफ्रीका में जीडीपी दर 0.8 प्रतिशत है, जो भारत से अधिक है। आरएंडडी पर विश्व का औसत खर्च 1.8 प्रतिशत है, अतएव हम औसत खर्च का आधा भी खर्च नहीं करते हैं। भारत का शोध पर कुल खर्च 17.6 अरब डॉलर है,जबकि अमेरिका का 581 और चीन का 298 अरब डॉलर है। नतीजतन हम नए अनुसंधान,आविष्कार और स्वदेशी उत्पाद में पिछड़े हैं। इसीलिए पेटेंट के क्षेत्र में भारत विकसित देशों की बराबरी करने में पिछड़ गया है। भारत से कम जीडीपी वाले फ्रांस, इटली,ब्रिटेन और ब्राजील भी हमसे कई गुना ज्यादा धन शोध पर खर्च करते हैं। यदि यही सिलसिला जारी रहता तो वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत भविष्य में कैसे टिक पाता ? गोया, शोध के क्षेत्र में धन बढ़ाकर भारत ने न केवल युवाओं के हौसलों को उड़ान भरने का सुनहरा अवसर दिया है, बल्कि आविष्कार के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो जाने का मार्ग भी प्रशस्त कर दिया है। भारत में उच्च शिक्षा के 40 हजार से ज्यादा संस्थान हैं। इनमें से सिर्फ एक प्रतिशत में अनुसंधान होता है। इसीलिए अब तक दुनिया के 100 बेहतरीन संस्थानों में से भारत का एक भी नहीं है। शोध का अवसर नहीं मिलने के चलते ही भारत के युवा अमेरिका, जर्मनी और ब्रिटेन में पीएचडी के लिए चले जाते हैं। इनमें से अधिकतर वापस भी नहीं लौटते। पिछले साल अमेरिका में विज्ञान पढ़ने वाले विदेशी छात्रों में सबसे ज्यादा भारत के ही छात्र थे। भारत में सरकार या सरकारी संस्थाएं ही सबसे ज्यादा शोध का खर्च वहन करती हैं। जबकि अमेरिका में सरकार शोध पर सिर्फ 10 प्रतिशत और चीन में सिर्फ 16 प्रतिशत खर्च करती हैं। बाकी खर्च निजी क्षेत्र उठाता है। यदि भारत के निजी उच्च शिक्षा संस्थान शोध के क्षेत्र में खर्च की भागीदारी बढ़ा दें तो शोध का स्तर बेहतर हो सकता है। यदि ऐसा होता है तो संभव है कि भारत विज्ञान के क्षेत्र में शिखर पर पहुंच जाए। इसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि विज्ञान के क्षेत्र में भारतीयों की रुचि अधिक है। भारत दुनिया का अकेला ऐसा देश हैं, जहां के 31 प्रतिशत विद्यार्थी विज्ञान, गणित और तकनीकी विषयों में सबसे ज्यादा रुचि लेते हैं। इसके बाद इजरायल है जहां के 27 प्रतिशत छात्र और फिर अमेरिका आता है, जहां के 20 प्रतिशत छात्र विज्ञान, गणित और तकनीकी विषयों में रुचि लेते हैं।हालांकि नवाचारी वैज्ञानिकों को लुभाने की सरकार ने अनेक कोशिशें की हैं। बावजूद देश के लगभग सभी शीर्ष संस्थानों में वैज्ञानिकों की कमी है। वर्तमान में देश के 70 प्रमुख शोध-संस्थानों में 3200 वैज्ञानिकों के पद खाली हैं। बैंगलुरु के वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआइआर) से जुड़े संस्थानों में सबसे ज्यादा 177 पद रिक्त हैं। पुणे की राष्ट्रीय रसायन प्रयोगशाला में 123 वैज्ञानिकों के पद खाली हैं। देश के इन संस्थानों में यह स्थिति तब है, जब सरकार ने पदों को भरने के लिए के आकर्षक योजनाएं शुरू की हुई हैं। इनमें रामानुजन शोधवृत्ति, सेतु-योजना, प्रेरणा-योजना और विद्यार्थी-वैज्ञानिक संपर्क योजना शामिल हैं। महिलाओं के लिए भी अलग से योजनाएं लाई गई हैं। इनमें शोध के लिए सुविधाओं का भी प्रावधान है। इसके साथ ही राज्यों में कार्यरत वैज्ञानिकों को स्वदेश लौटने पर आकर्षक पैकेज देने के प्रस्ताव दिए जा रहे हैं। बावजूद परदेश से वैज्ञानिक लौट नहीं रहे हैं। इसकी पृष्ठभूमि में एक तो वैज्ञानिकों को यह भरोसा पैदा नहीं हो रहा है कि जो प्रस्ताव दिए जा रहे हैं वे निरंतर बने रहेंगे ? दूसरे नौकरशाही द्वारा कार्यप्रणाली में अड़ंगों की प्रवृत्ति भी भरोसा पैदा करने में बाधा बन रही है।मौजूदा परिदृश्य में कोई भी देश वैज्ञानिक उपलब्धियों से ही समर्थ हो सकता है। मानव जीवन को यही उपलब्धियां सुखद और समृद्ध बनाए रखने का काम करती हैं। भारत में युवा उत्साहियों या शिक्षित बेरोजगारों की भरमार हैं, बावजूद वैज्ञानिक बनने या मौलिक शोध में रुचि लेने वाले युवाओं की संख्या कम है। इसकी प्रमुख वजह हम अपने वैज्ञानिकों को खिलाड़ी, अभिनेता, नौकरशाह और राजनेताओं की तरह रोल मॉडल नहीं बना पा रहे हैं। सरकार विज्ञान से ज्यादा महत्व खेल को देती है। दूसरे उस सूचना तकनीक को विज्ञान मान लिया गया है, जो वास्तव में विज्ञान नहीं है, बावजूद इसके विस्तार में प्रतिभाओं को खपाया जा रहा है। वैज्ञानिक प्रतिभाओं को तवज्जो नहीं मिलना भी प्रतिभाओं के पलायन का एक बड़ा कारण है। जाहिर है, हमें ऐसा माहौल रचने की जरुरत है, जो मौलिक अनुसंधान व शोध-संस्कृति का पर्याय बने। इसके लिए हमें उन लोगों को भी महत्व देना होगा, जो अपने देशज ज्ञान के बूते आविष्कार में तो लगे हैं, लेकिन अकादमिक ज्ञान नहीं होने के कारण, उनके आविष्कारों को वैज्ञानिक मान्यता नहीं मिल पाती है। इस नाते कर्नाटक के किसान गणपति भट्ट ने पेड़ पर चढ़ने वाली मोटरसाइकल बनाकर एक अद्वितीय उदाहरण पेश किया है। लेकिन इस आविष्कार को न तो विज्ञान सम्मत माना गया और न ही गणपति भट्ट को अशिक्षित होने के कारण केंद्र या राज्य सरकार से सम्मानित किया गया। यह व्यवहार प्रतिभा का अनादर है। यहां गौरतलब है कि 1930 में जब देश में फिरंगी हुकूमत थी, तब देश में वैज्ञानिक शोध का बुनियादी ढांचा न के बराबर था। विचारों को रचनात्मकता देने वाला साहित्य भी अपर्याप्त था। अंग्रेजी शिक्षा शुरुआती में दौर में थी। बावजूद जगदीश चंद्र बसु ने भौतिकी और जीव-विज्ञान में वैश्विक मान्यता दिलाने वाले आविष्कार किए। यही बसु अपने मौलिक आविष्कार रेडियो का पेटेंट नहीं करा पाए,अन्यथा रेडियो का आविष्कार भारत के नाम होता। सीवी रमन ने साधारण देशी उपकरणों के सहारे देशज ज्ञान और भाशा को आधार बनाकर काम किया और भौतिकी में नोबेल हासिल किया। सत्येंद्र नाथ बसु ने आइंस्टीन के साथ काम किया। मेघनाद साहा, रामानुजन, पीसी रे और होमी जहांगीर भाभा,शांति स्वरूप भटनागर, विक्रम साराभाई ने अनेक उपलब्धियां पाईं। रामानुजन के एक-एक सवाल पर पीएचडी की उपाधि मिल रही हैं। एपीजे कलाम,जयंत विष्णु नार्लीकर, महिला वैज्ञानिक टेसी थॉमस और के शिवम जैसे वैज्ञानिक भी मातृभाषा में आरंभिक शिक्षा लेकर महान वैज्ञानिक बने हैं। लेकिन अब उच्च शिक्षा में तमाम गुणवत्तापूर्ण सुधार होने और अनेक प्रयोगशालाओं के खुल जाने के बावजूद गंभीर अनुपालन का काम थमा है। अब धन की बहुलता हो जाने से उम्मीद है कि अनुसंधान के क्षेत्र में भारत भविष्य में अग्रिम पंक्ति में होगा ?

**-प्रमोद भार्गव,लेखक, पत्रकार**

# रिश्वतखोर अधिकारियों और कर्मचारियों पर विजिलेंस ने कसा शिकंजा

## डायल 1064 पर आयी शिकायतों में तीन साल के भीतर सबसे ज्यादा हरिद्वार और ऊधमसिंहनगर में पकड़े गये

देहरादून। रिश्वतखोर विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों पर विजिलेंस का शिकंजा कसता जा रहा है इसके बावजूद भ्रष्टाचार के मामले बढ़ रहे है। राजस्व, पुलिस और स्वास्थ्य महकमा विजिलेंस के रडार पर हैं। इन तीनों विभागों के लिए ही सबसे अधिक शिकायतें डायल 1064 पर आ रही हैं। नतीजतन विजिलेंस ने तीन साल के भीतर 42 ट्रैप किए जिनमें से आधे से ज्यादा इन्हीं तीनों विभाग के हैं। सबसे ज्यादा राजस्व विभाग के 15 अधिकारी और कर्मचारियों को रिश्वत के साथ पकड़ा गया है। यह जानकारी शुक्रवार को डायरेक्टर विजिलेंस डॉ. वी मुरुगेशन ने पत्रकारवार्ता में दी। इस दौरान उन्होंने पिछले साल की कार्रवाई और भविष्य की कार्ययोजना भी बताई। डायरेक्टर विजिलेंस डॉ. वी मुरुगेशन ने बताया कि भ्रष्टाचार के खिलाफ विजिलेंस तेजी से काम कर रही है। 2021 में कुल सात अधिकारियों और कर्मचारियों को रिश्वत के साथ पकड़ा गया था। 2022 में इनकी संख्या दोगुने से अधिक 15 हुई। जबकि, 2023 में कुल 20 अधिकारियों और कर्मचारियों को रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया है। इस साल केवल 33 दिनों में विजिलेंस ने सात अधिकारियों और कर्मचारियों को घूस लेते पकड़ा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जागरुकता के लिए काम किया जा रहा है। लोगों से अपील की जा रही है कि वे खुलकर भ्रष्टाचार के खिलाफ खड़े हों। तीन वर्षों में रिश्वत के साथ सबसे ज्यादा हरिद्वार और ऊधमसिंहनगर में अधिकारियों और कर्मचारियों को पकड़ा गया है। हरिद्वार में 12 और ऊधमसिंहनगर में 11 को रिश्वतखोरी की के आरोप में गिरफ्तार किया गया। इसी अवधि में देहरादून में चार, उत्तरकाशी में दो, पौड़ी में एक, अल्मोड़ा में दो, पिथौरागढ़ में एक और नैनीताल में पांच अधिकारियों-कर्मचारियों को रिश्वत लेते दबोचा गया है। पिछले साल की विजिलेंस की कार्रवाई के अनुसार 30 विवेचनाएं पूरी हुईं। 18 मुकदमों में न्यायालय में चार्जशीट भेजी गई। 16 आरोपियों को दोषी करार देते हुए कोर्ट ने सजा सुनाई। छह राजपत्रित अधिकारियों को रिश्वत के साथ पकड़ा। तीन वर्षों में पकड़े गए अधिकारी-कर्मचारी में राजस्व विभाग-15 पुलिस विभाग- 02 स्वास्थ्य विभाग- 04 विद्युत विभाग- 03 पंचायती राज- 02 शहरी विकास-01 पशुपालन विभाग- 01 आबकारी विभाग- 01 परिवहन विभाग- 01 सहकारिता विभाग- 01 मंडी समिति- 02 लोनिवि- 02 राज्य कर विभाग- 02 युवा कल्याण- 01 वक्फ बोर्ड- 01 सचिवालय प्रशासन- 02 वन विभाग- 01 इस साल के ट्रैप राजस्व विभाग- 01 पुलिस- 02 और युवा कल्याण, सिडकुल, परिवहन विभाग, पंचायती राज और खेल विभाग से एक-एक कर्मचारियों को ट्रैप किया गया है।

## विजिलेंस ने अमीन और अनुसेवक को किया रिश्वत लेते गिरफ्तार

हरिद्वार (उद संवाददाता)। विजिलेंस की टीम ने हरिद्वार जनपद में तैनात संग्रह अमीन और अनुसेवक को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। विजिलेंस की टीम दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। दोनों आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज कराया है। शुक्रवार को विजिलेंस की टीम ने बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया है। देहरादून से गई विजिलेंस की टीम ने लक्सर तहसील के एक अमीन और उसके अनुसेवक को 10 हजार की रिश्वत लेते हुए बालवाली तिराहे से रंग हाथो गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार खानपुर थाना क्षेत्र के रहीमपुर गांव निवासी मोहम्मद आरिफ ने विजिलेंस टीम के शिकायती टोल फ्री नंबर पर शिकायत दर्ज कार्रवाई थी। शिकायतकर्ता ने बताया था कि उसने अपने नाम के टेंपो ट्रेवलर व अपनी पत्नी के नाम से मिनी बस को करीब चार साल पहले किसी को बेच दिया था। लेकिन दोनों वाहनों के बेचने संबंधी कागजात गलती से आग में जलने के कारण नष्ट हो गए। जिसके कारण वाहन किसको बेचा गया है उसे इसकी जानकारी नहीं थी। वहीं दोनों वाहनों की वसूली के संबंध में जारी आरसी को परिवहन विभाग को वापस करने व जेल भेजने से बचाने के एवज में संग्रह अमीन रवि पाल द्वारा उससे रिश्वत की मांग की गई। जिसकी शिकायत शिकायतकर्ता ने विजिलेंस की टीम से की। कार्यवाही करते हुए देहरादून से गई टीम ने बालावाली तिराहे से संग्रह अमीन रवि पाल व उसके अनुसेवक पदम प्रकाश को 10 हजार की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर किया है। दोनों आरोपियों से पूछतछ की जा रही है।

# स्वामी विवेकानंद के विचार हर युग में प्रासंगिक रहेंगे

हरिद्वार (उद संवाददाता)। रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम कनखल में पंचांग तिथि के अनुसार स्वामी विवेकानंद का162वां जन्मोत्सव रोगी नारायण सेवा के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर अस्पताल में भर्ती सभी मरीजों में नारायण का रूप मानकर उनकी पूजा अर्चना की गई उनके माथे में तिलक लगाया गया और फल वितरित किए गए।मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम के सचिव स्वामी दयामूर्त्यानन्द महाराज ने कहा कि स्वामी विवेकानंद युगपुरुष थे। उन्होंने मानव कल्याण के लिए नर सेवा नारायण सेवा का जो मूल मंत्र दिया ,उसी अनुसार आज भी रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम के देश-विदेश में स्थित सभी आश्रमों, चिकित्सालयों और सेवा संस्थानों में स्वामी विवेकानंद का जन्मदिन नर सेवा नारायण सेवा के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार हर युग में प्रासंगिक रहेंगे। स्वामी विवेकानंद आधुनिक भारत के युग निर्माता और युगपुरुष थे।इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद पर शोध कार्य करने वाली लेखिका, विचारक, चिंतक डॉक्टर राधिका

नागरथ ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने पूरे विश्व में भारत की एक नई पहचान प्रस्तुत की थी। स्वामी जी का शिकागो उद्बोधन पूरे विश्व को एक नई प्रेरणा दे गया और उसने लोगों को झकजोर दिया। उन्होंने कहा कि विश्व के वर्तमान माहौल में स्वामी जी के विचारों पर चलकर ही विश्व में शांति स्थापित की जा सकती है।दीप प्रवचलित कर कार्यक्रम का कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सुनील मुखर्जी ने श्री निर्मल पंचायती अखाड़ा के मुकामी महंत गुरमीत सिंह ने कहा कि भारत एक युवा देश है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के बताएं मार्ग पर सबको चलना चाहिए जब तक अपना उद्देश्य ना पूरा हो तब तक निरंतर अपने निर्धारित रास्ते पर चलते रहो। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह ध्यान जप योग मंगल आरती संतो के प्रवचन भजन कीर्तन के साथ शुरू हुआ। स्वामी रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई । स्वामी जगदीश महाराज ने श्रद्धालुओं को स्वामी विवेकानंद जी के जीवन परिचय से अवगत कराया।इस अवसर पर स्वामी उमेश्वरानंद मंजू महाराज, स्वामी जगदीश महाराज, स्वामी निमई महाराज, स्वामी देवाड्यानंद महाराज,स्वामी कमलाकांतानंद महाराज, स्वामी एकाश्रयानंद महाराज, स्वामी श्रीमोहनानंद महाराज, वरिष्ठ चिकित्सक डा. समरजीत चौधरी,डा वालिया, अरुण मेहता कमलेश शर्मा, डॉ दीपक, डा मधु शाह, एम्स ऋषिकेश से आई डॉक्टर अरुणिमा, डॉक्टर विनोद , नर्सिंग सुपरीटेंडेंट मिनी योहानन्न, गोकुल सिंह आदि मौजूद थे।

# जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्य महाराज अस्पताल में भर्ती

देहरादून (उद संवाददाता)। तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्य महाराज को एयरलिफ्ट कर आगरा से देहरादून लाया गया है। उन्हे यहां बल्लूपुर स्थित सिनर्जी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि उन्हें छाती में इन्फेक्शन से तकलीफ हुई थी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक जगद्गुरू रात 10:40 बजे जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचे, वहां से रात 11:10 बजे स्पेशल एंबुलेंस से उन्हें अस्पताल लाया गया था। उनकी छाती में इन्फेक्शन था, अब उनकी हालत खतरे से बाहर है। बताया गया है कि हाथरस में श्रीराम कथा सुनाते वक्त महाराज की हालत बिगड़ गई थी। सांस लेने में परेशानी होने पर शुक्रवार की सुबह दिल्ली गेट स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जांच कर डॉक्टरों ने निमोनिया से फेफड़ों में संक्रमण बताया है। रात में एयर एंबुलेंस से उन्हें खेरिया एयरपोर्ट ले जाया गया। वहां से देहरादून लाया गया। उनको चार साल पहले ओपन हार्ट सर्जरी हो चुकी है। हाथरस से उनके साथ आए सेवादार ने बताया कि हाथरस में अजय वार्ष्णेय के यहां 25 जनवरी से श्रीराम कथा का आयोजन हो रहा है। 1 फरवरी का उनको सर्दी लग गई थी, इसके चलते सुबह सांस लेने में परेशानी होते देख आगरा में भर्ती कराया है। इलाज के बाद अब डॉक्टर हालत ठीक बता रहे हैं।

# छेड़छाड़ के आरोप में आईएफएस अधिकारी के खिलाफ केस दर्ज

देहरादून (उद संवाददाता)। उत्तराखंड में सीनियर आईएफएस अधिकारी सुशांत पटनायक पर थाना राजपुर में केस दर्ज हो गया है। बता दें पिछले दिनों सुशांत पटनायक पर महिलाकर्मी ने छेड़छाड़ के आरोप लगाए थे. जिसके बाद से ही ब्यूरोक्रेसी में हड़कंप मच हुआ था। मामले में जहां एक तरफ देहरादून जिलाधिकारी के स्तर पर इसकी जांच शुरू की गई तो वहीं अब युवती की तहरीर के आधार पर पुलिस ने भी इस मामले में धारा 354 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस मामले में पहले ही शासन ने देहरादून की जिला स्तरीय कमेटी को जांच के लिए पत्र लिख दिया था।उधर युवती ने पुलिस को भी तहरीर दी थी. ऐसे में खबर है कि पुलिस ने प्राथमिक जांच करने के बाद प्रकरण पर अब मुकदमा दर्ज कर लिया है।मामले में अब पुलिस भी मुकदमा दर्ज करने के बाद जांच को आगे बढ़ाएगी। हाल ही में महिला कर्मचारी ने आईएफएस अधिकारी सुशांत पटनायक पर छेड़छाड़ का आरोप लगया था।पूरा मामला सामने आने के बाद शासन ने सुशांत पटनायक को पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड से हटा दिया था और उन्हें वन विभाग में प्रमुख वन संरक्षक हाफ के कार्यालय में अटैच किया गया था।इस प्रकरण में एक तरफ पहले ही जिला स्तरीय कमेटी सीडीओ देहरादून की अध्यक्षता में जांच कर रही है, तो वहीं अब पुलिस भी प्रकरण पर अपने स्तर से जांच करने वाली है।

# एआई तकनीक से छात्रा की अश्लील फोटो बनाकर किया ब्लैकमेल,केस दर्ज

रुद्रपुर। एसबीएस डिग्री कॉलेज के बीएस प्रथम वर्ष के छात्र ने एक छात्रा की एआई बोट के जरिए न्यूड फोटो बनाई और ब्लैकमेल कर दो हजार रुपये मांगे। छात्रा ने रुपये देने के लिए छात्र को जाफरपुर बुलाया, जहां परिजनों और लोगों ने पिटाई कर आरोपी को पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने उसके खिलाफ धारा 385 और 354 के तहत केस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार भदईपुरा निवासी प्रियांशु कुमार ने कॉलेज में पढ़ने वाली शहर निवासी छात्रा की सोशल मीडिया से फोटो निकालकर एआई तकनीक से न्यूड फोटो बना दी। प्रियांशु ने 26 जनवरी को छात्रा को फोटो दिखाकर ब्लैकमेल करते हुए रुपयों की मांग की थी। उसने रुपये नहीं देने पर फोटो वायरल करने की धमकी दी थी।अभियुक्त की धमकी से छात्रा तनाव में आ गई थी। आरोपी की ओर से लगातार परेशान करने से आजिज छात्रा ने परिजनों को जानकारी दी। बृहस्पतिवार को छात्रा ने रुपये देने के लिए छात्र को जाफरपुर बुलाया था। यहां छात्रा के साथ ही उसके पिता, भाई और अन्य लोगों ने प्रियांशु को पकड़कर पिटाई की और पुलिस के सुपुर्द कर दिया। एसएचओ धीरेंद्र कुमार ने बताया कि एआई बोट के जरिए प्रियांशु ने फोटो एडिट की थी और इसके सहारे छात्रा को ब्लैकमेल कर रहा था। अभियुक्त को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है। कहा कि इस तरह की गतिविधियों में लिप्त लोगों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। पुलिस के अनुसार नवंबर 2023 को प्रियांशु को 18 साल हुए थे। जब उसका मोबाइल जांचा गया तो उसमें एआई तकनीक से बनाई एक अन्य लड़की की अश्लील फोटो मिली। प्रियांशु ने इस लड़की को ब्लैकमेल करने से इन्कार किया है। आरोपी के खिलाफ छात्रा के पिता ने केस दर्ज कराया था। हालांकि इस मामले में समझौते की कोशिश भी हुई थी लेकिन पुलिस के साथ ही परिजनों के सख्त रुख के चलते अभियुक्त को सलाखों के पीछे जाना पड़ा।

## एड.फैजान नकवी के निधन पर जताया शोक

काशीपुर (उद संवाददाता)। बार एसोसिएशन के सभागार में अधिवक्ताओं एडवोकेट फैजान नकवी के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए दो मिनट का मन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। शोक सभा में वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार मिश्रा, संजीव कुमार आकाश, श्रीमती सिंधु आकाश, कार्यकारिणी सदस्य कामिनी श्रीवास्तव, अर्पित सौदा,नरेश कुमार पाल, अमित गुप्ता, अमृतपाल सिंह, अविनाश कुमार, अमितेश सिसोदिया नरदेव सिंह सैनी, तथा रहमत अली खान, अफसर अली खान, अब्दुल सलीम, सैय्यद आसिफ अली, रामकुवर चौहान,गोपाल कृष्ण, मुजीब अहमद, मो अलीम, मो नईम आदि थे।

# तीन फरार वारंटियों को दबोचा

काशीपुर (उद संवाददाता)। मारपीट अवैध कच्ची शराब तथा एन आई एक्ट के अलग-अलग मामलों में पिछले लंबे समय से फरार चल रहे तीन वारंटियों को पुलिस ने सूचना के आधार पर दबिश देकर गिरफ्तार करते हुए जरूरी पूछताछ के बाद उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया। मामले के बारे में जानकारी मिली है कि मोहल्ला विशाल नगर जसपुर खुर्द निवासी महेंद्र पुत्र राजेंद्र सिंह के खिलाफ रूपयों के लेनदेन को लेकर पुलिस ने एन आई एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया था। समय से अदालत में हाजिर न होने पर उसके खिलाफ कोर्ट द्वारा वारंट जारी किए गए इसी के बाद से वह कानून की आंख में धूल झोंककर कर फरार चल रहा था। पुलिस ने सूचना के आधार पर दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया। इसी तरह अवैध कच्ची शराब के एक मामले में हरगनिया कॉलोनी टांडा उज्जैन निवासी विपिन कुमार पुत्र राधेश्याम की पुलिस को लंबे समय से तलाश थी। उधर गाली गलौज मारपीट वह जान से मारने के धमकी देने के एक अन्य मामले में खालिद कॉलोनी काशीपुर निवासी फिरोज हुसैन पुत्र मुस्तफा हुसैन कानून की आंख में धूल झोंक कर लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस की नजर में यह फरार वारंटी शातिर किस्म का अपराधी है। पकड़े गए उपरोक्त तीनों फरार वारंटियों से पुलिस ने जरूरी जानकारी जुटाने के बाद उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया।

# चोरी की चार बाईकों सहित दो आटो लिफ्टर गिरफ्तार

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। ट्रांजिट कैम्प थाना पुलिस ने चोरी की 4 बाईकों सहित दो वाहन चोरों को गिरफ्तार कर लिया। मामले का खुलासा करते सीओ आईपीएस निहारिका तोमर ने बताया कि 31जनवरी को वादी सुरजीत कुमार पुत्र रामस्वरुप निवासी हाल ठाकुर नगर ट्राजिट कैम्प द्वारा रपट दर्ज करायी कि 30 जनवरी को अज्ञात चोर द्वारा ठाकुर नगर से उसकी मोटरसाईकिल संख्या यूपी 26 जेड 9259 को चोरी कर ली गई। 2 फरवरी को वादी नरेन्द्र कुमार पुत्र धर्मपाल निवासी कृष्णा कालोनी ट्रांजिट कैम्प द्वारा रपट दर्ज करायी कि 31 जनवरी को कृष्णा कालोनी से उसकी मोटरसाईकिल संख्या यूपी 25 बीएस7114 को अज्ञात

चोर चोरी कर ले गया। उन्होंने बताया कि प्रभारी थानाध्यक्ष भारत सिंह ट्राजिट कैम्प के नेतृत्व में उनि कविन्द्र शर्मा, उनि प्रदीप पन्त, उनि आनन्द बल्लभ कशमीरा, कानि. राकेश खेतवाल, दिनेश चन्द्र ने चैकिंग के दौरान गंगापुर रोड शमशान घाट के सामने गन्ने के खेत से दीपक शर्मा उर्फ लूटिया पुत्र जितेन्द्र शर्मा निवासी ग्राम गोगई थाना मीरगंज बरेली उप्र हाल राजा कालोनी वार्ड 2 ट्रांजिट कैम्प तथा विजय शर्मा पुत्र गंगाराम शर्मा निवासी ग्राम निजाम डाण्डी थाना जहांनाबाद पीलीभीत उप्र, हाल निवासी कृष्णा कालोनी वार्ड 2 ट्रांजिट कैम्प को पकड़ लिया। उनके कब्जे से चोरी की चार मोटर साईकिलें बरामद की गई। उन्होंने बताया कि पकड़े गये वाहन चोर पूर्व में भी आपराधिक मामलों में संलिप्त रहे हैं।

## पेज एक का शेष...

**आडवाणी को मिलेगा ..**की शुरुआत की थी। 2015 नें उन्हें भारत के दूसरे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। लाल कृष्ण आडवाणी का जन्म पाकिस्तान के कराची में 8 नवंबर, 1927 को एक हिंदू सिंधी परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम किशनचंद आडवाणी और मां का नाम ज्ञानी देवी है। उनके पिता पेशे से एक उद्यमी थे। शुरुआती शिक्षा उन्होंने कराची के सेंट पैट्रिक हाई स्कूल से ग्रहण की थी। इसके बाद वह हैदराबाद, सिंध के डीजी नेशनल स्कूल में दाखिला लिया। विभाजन के समय उनका परिवार पाकिस्तान छोड़कर मुंबई आकर बस गया। यहां उन्होंने लॉ कॉलेज ऑफ द बॉम्बे यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई की। उनकी पत्नी का नाम कमला आडवाणी है। उनके बेटे का नाम जयंत आडवाणी और बेटी का नाम प्रतिभा आडवाणी है।

**महिला जज ने फांसी...**को दी। इस पर डीएम मनोज कुमार और एसएसपी आलोक प्रियदर्शी मौके पर पहुंचे। किसी को अंदर नहीं जाने दिया गया। फोरेंसिक टीम साक्ष्य जुटा रही है। बताया जा रहा कि पिछले कुछ दिन से ज्योत्सना राय अवसाद में चल रहीं थी। उनकी डायरी से एक सुसाइड नोट मिला है। जिस पर पुलिस अधिकारी अभी कुछ बोल नहीं रहे हैं। एसएसपी आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि जांच जारी है। बताया कि महिला जज ज्योत्सना राय का आवास पहली मंजिल पर है। दरवाजे अंदर से बंद थे। उसे जबरदस्ती खोला गया और उनका शव छत के पंखे से लटका हुआ मिला। शव को कब्जे में ले लिया गया है और जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि उनके दस्तावेजों में कुछ चीजें मिली हैं। सभी तथ्यों की जांच की जाएगी। ज्योत्सना राय मूल रूप से मऊ की रहने वाली थी। सूचना स्वजन को दे दी है। ज्योत्सना राय की बदायूं में दूसरी पोस्टिंग थीं। वह अप्रैल 2023 में बदायूं आई थी। इससे पहले वह अयोध्या में तैनात थीं।

**हाईवे पर युवक की ...**की बुकिंग समाप्त करने के उपरांत वह वापस घर लौट रहा था। करीब 12 बजे उसने अपने भाई धर्मेन्द्र को फोन किया कि उससे कुछ लोग मारपीट कर रहे हैं। तभी उसका फोन कट गया। इसके बाद परिजनों में चिंता हो गई और वह उसे तलाशने के लिए निकल पड़े। लेकिन विशाल कही नहीं मिला। प्रात: पुलिस से सूचना मिली कि सड़क किनारे एक युवक का शव बरामद हुआ है। परिजनों ने शव की शिनाख्त विशाल सिंह के रूप में की। मृतक विशाल सिंह ग्राम कुशालपुर के स्वर्गीय बचन सिंह के तीन पुत्रों एवं एक पुत्री में सबसे छोटा था। समाचार लिखे जाने तक परिजनों द्वारा तहरीर नहीं दी गई थी।

**जमीन बेचने के नाम पर...**कार्यवाही करने की एवज में जान से मारने की धमकी दे डाली। शिकायतकर्ता ने जब मामले की तहरीर पुलिस को देखकर कानूनी कार्यवाही की गुहार लगाई तो पुलिस ने मामले को अनसुना कर दिया। जिले के एसपी को लिखित तहरीर देने के बावजूद भी जब कोई कार्यवाही नहीं हुई तो शिकायतकर्ता नहीं मजबूरन कोर्ट का सहारा लिया। न्यायालय ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए उपरोक्त दोनों के खिलाफ कार्यवाही के निर्देश दिए। इसी पर हरकत में आई पुलिस ने दोनों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी।

**डीएम ने निर्माणाधीन..**कि यहां आने वाले ग्राहकों का भी पूरा ध्यान रखा गया है। दो पहिया व चार पहिया वाहनों की पार्किंग बनाई जा रही है साथ ही सुलभ शौचालय व पेयजल की भी व्यवस्था की जायेगी। उन्होंने यहां लगभग 200 दुकानें बनाई जायेंगी। जिन्हें पूर्व में चिन्हित लघु व्यापारियों को प्राथमिकता से आवंटित की जायेंगी। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है अगले तीन चार महीने में कार्य पूरा कर लिया जायेगा। निरीक्षण के दौरान एसडीएम, राष्ट्रीय राजमार्ग व नगर निगम के निर्माण कार्य से जुड़े कई अधिकारी मौजूद थे।

**कार्यकाल बढ़ाने के लिए...**जाने का प्रयास पूर्व में भी किया गया था, लेकिन वह सफल नहीं हो पाया। ज्ञापन में प्रदर्शनकारियों ने कहा कि राज्य में एक चुनाव के लिए त्रिस्तरीय पंचायतों का कार्यकाल दो वर्ष वर्ष बढ़ाया जाये। प्रदर्शन करने वालों में ब्लाक प्रमुख ममता जल्होत्रा, तजिंदर सिंह, भास्कर संभल, लखविंदर सिंह, श्रीमंती देवी, अमरजीत कौर, पार्वती देवी, रेशम सिंह, सुखविंदर कौर, माया जोशी, पूनम देवी, द्रोपदी देवी, निर्मला सिंह, आशा देवी, राहुल तिवारी, दीपा काण्डपाल, संदीप सिंह, सपना देवी, चरनजीत कौर, सुषमा यादव, धर्मवीर, खेम सिंह, अमरजीत सिंह, किरनदीप कौर आदि सहित जिले भर के तमाम पंचायत प्रतिनिधि थे।

**पति जेल में....**के मामले में जेल में चला गया। पुत्री होने के कारण सास ने उसे मार-पीट कर 25 दिसंबर 2023 को घर से बाहर निकाल दिया। पुत्री का आंगन बाड़ी में प्रवेश दिलाने के लिए कार्य के लिए ससुराल गई तो सास ने उसे घर मे घुसने नहीं दिया। सास ने कहा दहेज में 50 हजार रूपए अपने मायके से लेकर आना तभी अन्दर आने दूँगी। यदि घर में आयी तो तुझे व तेरी बेटी को आग लगा कर जान से मार दूँगी।

**उजाड़े गये व्यापारियों ...**उनकी प्राथमिकता है। नगर में अन्य स्थानों पर भी सरकारी भूमि चिन्हित की जा रही है। जिसे विकसित कर व्यापारियों को बसाया जायेगा। इस दौरान इन्द्रजीत सिंह आदि व्यापारी मौजूद थे।

# घर से गया युवक हुआ लापता

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। गत प्रात: मोहल्ला रम्पुरा से एक युवक घर से लापता हो गया। परिजनों ने पुलिस से उसे ढूढ़ने में मदद की गुहार लगाई है। परिजनों का कहना है कि उनका 18 वर्षीय पुत्र 1 फरवरी की प्रात: 10 बजे बिना बताये घर से कहीं चला गया है। उसकी सभी संभावित स्थानों पर खोजबीन की गई लेकिन उसका अभी तक कोई पता नहीं चल सका है। पुत्र के साथ कोई अनहोनी घटना घटित होने प्रति परिजनों में भय व्याप्त है।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा समाचार सम्पादक-जगदीश चन्द्र
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

# महामंत्री प्रत्याशी हरीश अरोरा ने किया चुनाव प्रचार

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। रुद्रपुर व्यापार मंडल के चुनाव में महामंत्री पद के उम्मीदवार हरीश अरोरा ने आज चुनाव प्रचार के अंतिम दिन व्यापारियों से जनसम्पर्क करते हुए अपने पक्ष में मतदान की अपील की। काशीपुर बाईपास रोड क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान हरीश अरोरा को तमाम लोगों ने अपना समर्थन दिया। जनसंपर्क के दौरान व्यापारियों से रूबरू होते हुए महामंत्री पद के प्रत्याशी हरीश अरोरा ने कहा कि उन्होंने लंबे समय तक व्यापारी हितों के लिए संघर्ष किया है और इस संघर्ष के दौरान ना तो वह मुकदमा से डरे हैं और ना ही जेल जाने से भी पीछे हटे हैं। जनसंपर्क के दौरान हरीश अरोरा के साथ व्यापारी नेता राजेश कामरा, समाजसेवी सुशील गाबा, राजेंद्र बांगा, सौरभ राज बेहड़, मनीष गगनेजा, गगन दुनेजा, आशीष अरोरा बंटी, आशीष ग्रोवर आशु, आशीष मिड्ढा, निशांत शाही, सागर छाबड़ा, केतन गुगलानी, साहिल अरोड़ा, राहुल सिंघल, गौरव, सनी नरूला, रोहित जग्गा, दीपक मित्तल, आशीत बाला, केशव ढींगरा, अंकुश अरोरा, वंश, मुकेश मल्लिक, विक्रम खन्ना, हिमांशु सुखीजा सहित दर्जनों व्यापारी मौजूद थे।

# संदीप राव ने बाजार में किया धुंआधार प्रचार

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। व्यापार मण्डल कोषाध्यक्ष प्रत्याशी संदीप राव ने अंतिम दिन धुंआधार प्रचार कर व्यापारियों से भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। अपने तमाम समर्थकों के साथ बाजार की विभिन्न गलियों में जनसंपर्क के दौरान व्यापारियों ने संदीप राव का फूल मालाओं से स्वागत किया और उन्हें विजयी बनाने का आश्वासन दिया। वरिष्ठ अग्रबंधुओं ने भी संदीप राव के प्रचार में ताकत झोंकते हुए व्यापारियों से संपर्क कर संदीप राव को विजयी बनाने की अपील की। बाजार में प्रभाव रखने वाले कई समाजसेवियों के साथ जनसंपर्क के दौरान संदीप राव ने व्यापारियों से आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि उन्हें व्यापारियों का भरपूर प्यार और स्नेह मिल रहा है जिससे उनकी जीत तय है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं के निराकरण के लिए वह हमेशा प्रयासरत रहे हैं। व्यापारियों के आशीर्वाद से वह चुनाव में विजयी हुए तो हर व्यापारी को साथ लेकर समस्याओं के निराकरण के लिए व्यापारियों की आवाज को बुलंद करेंगे। उन्होंने सभी व्यापारियों से कल चार फरवरी को अपने पक्ष में मतदान की अपील की।